# SABDAMANJARI

1) [illegible] विद्यार्थियों [illegible] रखेंगे [illegible]
2) अध्यापक [illegible] करती [illegible]
3) "गुरुजी [illegible] उठाऊँ [illegible]
4) "मैं [illegible] सच है [illegible].
5. अपने जीवन [illegible] गंगाधर तिलक [illegible].

By

S. RAJAGOPALA SARMA


AMBIKA BROTHERS
MYLAPORE : : MADRAS 4

Price 14 As./87 N.P.



SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

SGDF
Sri Gangeshwari Digital Foundation

श्रीः

हेरम्बं नौम्युमापाङ्गरोलम्बवरपङ्कजम् ।
विघ्नभूधरदम्भोलिं भक्तकैरवशीतगुम् ॥

# ॥ शब्दमञ्जरी ॥

## INTRODUCTORY CHAPTER

* 1. Sanskrit words are classified into two groups ) the सुबन्तs and (2) the तिङन्तs. All the words except erbs come under the first group while the verbs con- itute the second one. Sanskrit is an inflexional nguage, *i. e.* all the words are capable of being split to two parts (1) the base and (2) the terminations; nd the same base takes different terminations in ifferent senses. Therefore the words taking सुप् rminations are named सुबन्तs (literally "having सुप् the end") and the words taking तिङ् terminations re named तिङन्तs. The तिङ् terminations are dealt ith in the धातुमञ्जरी. We shall learn something about e सुप् terminations.

* 2. There are altogether 21 सुप् terminations ivided into seven sections termed विभक्तिs. The rminations of each विभक्ति are three in number and re named (1) एकवचन (2) द्विवचन and (3) बहुवचन termina- ons. The following tabular statement will make e scheme clear.

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

## The सुप् terminations

| | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|---|---|---|---|
| प्रथमा विभक्तिः | (सु) स् | औ | (जस्) अस् |
| द्वितीया विभक्तिः | अम् | (औट्) औ | (शस्) अस् |
| तृतीया विभक्तिः | (टा) आ | भ्याम् | भिस् |
| चतुर्थी विभक्तिः | (ङे) ए | भ्याम् | भ्यस् |
| पञ्चमी विभक्तिः | (ङसि) अस् | भ्याम् | भ्यस् |
| षष्ठी विभक्तिः | (ङस्) अस् | ओस् | आम् |
| सप्तमी विभक्तिः | (ङि) इ | ओस् | (सुप्) सु |

It can be understood from the above table that these terminations are named सुप् because the first termination is सु and the 21st termination ends in प्.

* 3. सुबन्त words are divided into four classes (1) विशेष्य and विशेषणशब्दs or Nouns and Adjectives (2) सर्वनामशब्दs or Pronouns (3) संख्याशब्दs or Numerals and (4) अव्ययs or Indeclinables. Of these the fourth class does not require a detailed examination as the words cannot be declined though Sanskrit Grammarians maintain that these terminations are added on to them also though is only for dropping them.

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

*4. There are two more modes of classifications of words (1) based on gender (2) and based on the letter in which the base or crude form ends.

(1) *The classification based on gender*. There are three genders in Sanskrit *viz.*, (1) the Masculine or पुल्लिङ्ग (2) स्त्रीलिङ्ग or Feminine and (3) नपुंसकलिङ्ग or Neuter Gender. This classification is rather arbitrary in Sanskrit. Some words can be declined in all genders. *e. g.*, the adjective. Some words can be declined in two genders. *e. g.*, दिवसः (masculine) and दिवसम् (neuter) and some only in one gender रामः, कृष्णः etc. Again gender in Sanskrit does not depend upon the sex; for दाराः meaning "wife" is masculine and कलत्रम् in the same sense is neuter. No definite rule can be easily laid down to determine the gender of a word. It has to be understood from the classical works and dictionaries.

(2) *The classification based on the final letter of the base*. There are thirteen vowels and thirty-three conso nants in Sanskrit. Words ending in vowels are called अजन्तs for the technical term in Sanskrit for vowels is "अच्". Words ending in consonants are called हलन्तs for the technical term for consonants is "हल्". In the following pages the ready-made forms of various typical words aready-made forms of various typical words are given according to the gender and final letter of the base. Other words ending in the same letter and of the same gender can be declined similarly.

*5. *Sanskrit Alphabet.* The table below gives the various groups into which the letter of Sanskrit Alphabet are divided.

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

| | CONSONANTS | | | | | | | VOWELS | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | स्पर्शाः Five Classes | | | | | | | Simple | | Dipthongs |
| | Hard Unaspirate | Hard Aspirate | Soft Unaspirate | Soft Aspirate | Soft Nasal | Soft Semi Vowels | Hard Sibilants | Short | Long | |
| Gutturals कण्ठ्याः | क् | ख् | ग् | घ् | ङ् | ह् Soft Aspirate | | अ | आ | ए, ऐ, ओ, औ, |
| Palatals तालव्याः | च् | छ् | ज् | झ् | ञ् | य् | श् | इ | ई | ए, ऐ, |
| Linguals मूर्धन्याः | ट् | ठ् | ड् | ढ् | ण् | र् | ष् | ऋ | ॠ | |
| Dentals दन्त्याः | त् | थ् | द् | ध् | न् | ल् व् | स् | ऌ | | |
| Labials ओष्ठ्याः | प् | फ् | ब् | भ् | म् | व् | | उ | ऊ | ओ, औ |
| | खराः | | मृदवः | | | अन्तःस्थाः | ऊष्माणः | स्वराः | | |
| | व्यञ्जनानि | | | | | | | | | |

SGDF
Sri Gurgeshwari Digital Foundation

## 6. Meanings of the different cases.

The following table gives the different meanings of a word in the different cases.

| Cases | | Meanings |
|---|---|---|
| Sanskrit | English | |
| प्रथमा विभक्तिः | Nominative Case | Subject |
| द्वितीया विभक्तिः | Accusative ,, | Object |
| तृतीया विभक्तिः | Instrumental ,, | By, with, through or by means of |
| चतुर्थी विभक्तिः | Dative ,, | For or to |
| पञ्चमी विभक्तिः | Ablative ,, | From or than |
| षष्ठी विभक्तिः | Genitive ,, | Of, to, or among |
| सप्तमी विभक्तिः | Locative ,, | In, on, at, above among or upon. |
| संबोधनप्रथमा विभक्तिः | Vocative ,, | Oh |

SGDF
Sri Gurgeshwari Digital Foundation

* 7. The following table gives the meanings of the inflected word राम in the singular. From this the meanings of Dual and Plural can be understood.

Meanings of the Inflected word राम

| NAME | ENGLISH MEANING | TAMIL MEANING |
|---|---|---|
| Nominative<br>रामः | Rama as the Subject | இராமன் |
| Accusative<br>रामं | Rama as the Object | இராமனை |
| Instrumental<br>रामेण | By, with or through Rama | இராமனால்<br>இராமனுடன் |
| Dative<br>रामाय | For or to Rama | இராமனுக்காக<br>இராமன் பொருட்டு |
| Ablative<br>रामात् | From or than Rama | இராமனிடமிருந்து<br>இராமனைக்காட்டிலும் |
| Genitive<br>रामस्य | Of Rama or To Rama | இராமனுடைய<br>இராமனுக்கு |
| Locative<br>रामे | In, on at, above or upon Rama | இராமனிடத்தில்<br>இராமன் விஷயத்தில்<br>இராமன் மேல் |
| Vocative<br>हे राम | Oh Rama | ஓ இராமனே ! |

SGDF
Sri Gurgeshwari Digital Foundation

॥ श्रीः ॥

The following verse gives the forms of राम in all the cases in the Singular. Students should learn it by heart.

प्रथमा —रामः पाति भुवं चराचरमयीम्

द्वितीया —रामं भजेऽहर्निशम्

तृतीया —रामेण प्रधने हतो दशमुखः

चतुर्थी —रामाय कुर्यान्नतिम् ।

पञ्चमी —रामात् त्रस्तमशेषमासुरकुलम्

षष्ठी —रामस्य दासा वयम्

सप्तमी —रामे सक्तिरजस्रमस्तु मनसः

सं-प्रथमा—हे राम तुभ्यं नमः ॥

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

श्रीः

## Section I. साधारणशब्दाः or Regular bases.

(Nouns and Adjectives.)

### CLASS 1.

Masculine words ending in vowels.

### अजन्तपुंलिङ्गप्रकरणम्

Sabda 1. अकारान्तः पुंलिङ्गः "राम" शब्दः.

राम=Rama.

| | Sing. | Dual. | Plural. |
|---|---|---|---|
| प्रथमा Nominative | रामः | रामौ | रामाः |
| सं-प्रथमा Vocative | हे राम | हे रामौ | हे रामाः |
| द्वितीया Accusative | रामम् | रामौ | रामान् |
| तृतीया Instrumental | *रामेण | रामाभ्यां | रामैः |
| चतुर्थी Dative | रामाय | रामाभ्यां | रामेभ्यः |
| पञ्चमी ablative | रामात् | रामाभ्यां | रामेभ्यः |
| षष्ठी Genitive | रामस्य | रामयोः | *रामाणाम् |
| सप्तमी Locative | रामे | रामयोः | रामेषु |

* If the base does not contain ऋ र् or ष् the form in Instrumental Singular and Genitive plural will be like देवेन, माधवेन, देवानाम्, माधवानाम् etc.

SGDF
Sri Gangeshwar Digital Foundation

Sabda 2. इकारान्तः पुंलिङ्गः "हरि" शब्दः

हरि = God Vishnu.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | हरिः | हरी | हरयः |
| Voc. | हे हरे | हे हरी | हे हरयः |
| Acc. | हरिम् | हरी | हरीन् |
| Ins. | *हरिणा | हरिभ्यां | हरिभिः |
| Dat. | हरये | हरिभ्यां | हरिभ्यः |
| Abl. | हरेः | हरिभ्यां | हरिभ्यः |
| Gen. | हरेः | हर्योः | *हरीणाम् |
| Loc. | हरौ | हर्योः | हरिषु |

Similarly Decline रवि, मुनि, कवि etc.

Sabda 3. उकारान्तः पुंलिङ्गः "गुरु" शब्दः

गुरु = Preceptor.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | गुरुः | गुरू | गुरवः |
| Voc. | हे गुरो | हे गुरू | हे गुरवः |
| Acc. | गुरुम् | गुरू | गुरून् |
| Ins. | *गुरुणा | गुरुभ्यां | गुरुभिः |
| Dat. | गुरवे | गुरुभ्यां | गुरुभ्यः |
| Abl. | गुरोः | गुरुभ्यां | गुरुभ्यः |
| Gen. | गुरोः | गुर्वोः | *गुरूणाम् |
| Loc. | गुरौ | गुर्वोः | गुरुषु |

Similarly Decline शम्भु, भानु, इषु, सूनु, रिपु, etc.

SGDF
Sri Gangeshwari Digital Foundation

Sabda 4. ऋकारान्तः पुंलिङ्गः "धातृ" शब्दः.

धातृ=Creator

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | धाता | धातारौ | धातारः |
| Voc. | हे धातः | हे धातारौ | हे धातारः |
| Acc. | धातारम् | धातारौ | धातॄन् |
| Ins. | धात्रा | धातृभ्यां | धातृभिः |
| Dat. | धात्रे | धातृभ्यां | धातृभ्यः |
| Abl. | धातुः | धातृभ्यां | धातृभ्यः |
| Gen. | धातुः | धात्रोः | धातॄणाम् |
| Loc. | हे धातरि | धात्रोः | धातृषु |

Similarly decline नेतृ, कर्तृ, वक्तृ, नप्तृ, सवितृ etc.

Sabda 5. ऋकारान्तः पुंलिङ्गः "पितृ" शब्दः.

पितृ=Father

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | पिता | पितरौ | पितरः |
| Voc. | हे पितः | हे पितरौ | हे पितरः |
| Acc. | पितरं | पितरौ | पितॄन् |

The other froms are like those of धातृ. (4)

Similary decline भ्रातृ, जामातृ, सव्येष्टृ, देवृ and नृ. The last one has two forms in Genitive Plural नृणां and नृणाम्.

Sabda 6. एकारान्तः पुंलिङ्गः "से" शब्दः.

सेः=Vasanta (A person accompanying Kama)

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | सेः | सयौ | सयः |
| Voc. | हे सेः | हे सयौ | हे सयः |
| Acc. | सयं | सयौ | सयः |

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Ins. | सया | सेभ्यां | सेभिः |
| Dat. | सये | सेभ्यां | सेभ्यः |
| Abl. | सेः | सेभ्यां | सेभ्यः |
| Gen. | सेः | सयोः | सयाम् |
| Loc. | सयि | सयोः | सेषु |

Similarly decline स्मृते etc.

Sabda 7. ऐकारान्तः पुंलिङ्गः "रै" शब्दः.
रै=Wealth.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | राः | रायौ | रायः |
| Voc. | हे राः | हे रायौ | हे रायः |
| Acc. | रायम् | रायौ | रायः |
| Ins. | राया | राभ्यां | राभिः |
| Dat. | राये | राभ्यां | राभ्यः |
| Abl. | रायः | राभ्यां | राभ्यः |
| Gen. | रायः | रायोः | रायाम् |
| Loc. | रायि | रायोः | रासु |

Similarly decline (f.) रै in the same sense.

Sabda 8. ओकारान्तः पुंलिङ्गः "गो" शब्दः
गो=(m.) Bull (f.) Cow.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | गौः | गावौ | गावः |
| Voc. | हे गौः | हे गावौ | हे गावः |
| Acc. | गाम् | गावौ | गाः |
| Ins. | गवा | गोभ्यां | गोभिः |

SGDF
Sri Gangeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Dat. | गवे | गोभ्यां | गोभ्यः |
| Abl. | गोः | गोभ्यां | गोभ्यः |
| Gen. | गोः | गवोः | गवाम् |
| Loc. | गवि | गवोः | गोषु |

Similarly decline in the feminine too and स्मृतो, सद्यो etc.

Sabda 9. औकारान्तः पुंलिङ्गः "ग्लौ" शब्दः.
ग्लौः = Moon.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | ग्लौः | ग्लावौ | ग्लावः |
| Voc. | हे ग्लौः | हे ग्लावौ | हे ग्लावः |
| Acc. | ग्लावम् | ग्लावौ | ग्लावः |
| Ins. | ग्लावा | ग्लौभ्यां | ग्लौभिः |
| Dat. | ग्लावे | ग्लौभ्यां | ग्लौभ्यः |
| Abl. | ग्लावः | ग्लौभ्यां | ग्लौभ्यः |
| Gen. | ग्लावः | ग्लावोः | ग्लावाम् |
| Loc. | ग्लावि | ग्लावोः | ग्लौषु |

## CLASS 2.

Feminine words ending in vowels.

### अजन्तस्त्रीलिङ्गप्रकरणम्

Sabda 10. आकारान्तः स्त्रीलिङ्गः 'रमा' शब्दः.
रमा = Goddess Lakshmi.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | रमा | रमे | रमाः |
| Voc. | हे रमे | हे रमे | हे रमाः |
| Acc. | रमाम् | रमे | रमाः |

SGDF
Sri Gangeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Ins. | रमया | रमाभ्यां | रमाभिः |
| Dat. | रमायै | रमाभ्यां | रमाभ्यः |
| Abl. | रमायाः | रमाभ्यां | रमाभ्यः |
| Gen. | रमायाः | रमयोः | *रमाणाम् |
| Loc. | रमायाम् | रमयोः | रमासु |

Similarly decline सीता, माला, कन्या, कथा, लज्जा etc.

Sabda 11. इकारान्तः स्त्रीलिङ्गः 'मति' शब्दः

मति = Intellect.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | मतिः | मती | मतयः |
| Voc. | हे मते | हे मती | मतयः |
| Acc. | मतिम् | मती | मतीः |
| Ins. | मत्या | मतिभ्यां | मतिभिः |
| Dat. | मत्यै, मतये | मतिभ्यां | मतिभ्यः |
| Abl. | मत्याः, मतेः | मतिभ्यां | मतिभ्यः |
| Gen. | मत्याः मतेः | मत्योः | मतीनाम् |
| Loc. | मत्याम्, मतौ | मत्योः | मतिषु |

Similarly decline क्षिति, धृति, श्रुति. रुचि, बुद्धि etc. Note the alternate forms in the Singulars from Dative in the स्त्रीलिङ्ग words ending in इ and उ.

All abstract nouns ending in ति arc to be declined like मति.

Sabda 12. ईकारान्तः स्त्रीलिङ्गः 'गौरी' शब्दः.

गौरी = Parvati

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | गौरी | गौर्यौ | गौर्यः |
| Voc. | हे गौरि | हे गौर्यौ | हे गौर्यः |

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Acc. | गौरीम् | गौर्यौ | गौरीः |
| Ins. | गौर्या | गौरीभ्यां | गौरीभिः |
| Dat. | गौर्यै | गौरीभ्यां | गौरीभ्यः |
| Abl. | गौर्याः | गौरीभ्यां | गौरीभ्यः |
| Gen. | गौर्याः | गौर्योः | गौरीणाम् |
| Loc. | गौर्याम् | गौर्योः | गौरीषु |

Similarly decline नदी. वाणी, देवी, सखी, etc.

*With regard to the words लक्ष्मी, तन्त्री, अवी and तरी they retain the final विसर्ग in the Nom. Singular. The other forms are similar to those of गौरी.

Sabda 13. उकारान्तः स्त्रीलिङ्गः 'धेनु' शब्दः

धेनु=a cow

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | धेनुः | धेनू | धेनवः |
| Voc. | हे धेनो | हे धेनू | हे धेनवः |
| Acc. | धेनुम् | धेनू | धेनूः |
| Ins. | धेन्वा | धेनुभ्यां | धेनुभिः |
| Dat. | धेन्वै, धेनवे | धेनुभ्यां | धेनुभ्यः |
| Abl. | धेन्वाः, धेनोः | धेनुभ्यां | धेनुभ्यः |
| Gen. | धेन्वाः, धेनोः | धेन्वोः | धेनूनाम् |
| Loc. | धेन्वाम्, धेनौ | धेन्वोः | धेनुषु |

Similarly decline तनु, रज्जु, चञ्चु, हनु etc.

Sabda 14. ऊकारान्तः स्त्रीलिङ्गः 'वधू'

वधू=A bride.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | वधूः | वध्वौ | वध्वः |
| Voc. | हे वधु | हे वध्वौ | हे वध्वः |

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Acc. | वधूम् | वध्वौ | वधूः |
| Ins. | वध्वा | वधूभ्यां | वधूभिः |
| Dat. | वध्वै | वधूभ्यां | वधूभ्यः |
| Abl. | वध्वाः | वधूभ्यां | वधूभ्यः |
| Gen. | वध्वाः | वध्वोः | वधूनाम् |
| Loc. | वध्वाम् | वध्वोः | वधूषु |

Similarly decline चमू, श्वश्रू, जम्भू etc.

Sabda 15. ऋकारान्तः स्त्रीलिङ्ग 'मातृ' शब्दः

मातृ = Mother.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | माता | मातरौ | मातरः |
| Voc. | हे मातः | हे मातरौ | हे मातरः |
| Acc. | मातरम् | मातरौ | मातॄः |
| Ins. | मात्रा | मातृभ्यां | मातृभिः |
| Dat. | मात्रे | मातृभ्यां | मातृभ्यः |
| Abl. | मातुः | मातृभ्यां | मातृभ्यः |
| Gen. | मातुः | मात्रोः | मातॄणाम् |
| Loc. | मातरि | मात्रोः | मातृषु |

Similarly decline मातृ, दुहितृ and ननान्दृ.

Sabda 16. ऋकारान्तः स्त्रीलिङ्गः 'स्वसृ' शब्दः

स्वसृ = Sister

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | स्वसा | स्वसारौ | स्वसारः |
| Voc. | हे स्वसः | हे स्वसारौ | हे स्वसारः |
| Acc. | स्वसारम् | स्वसारौ | स्वसॄः |

The other forms are like those of 'मातृ' (15)

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

Sabda 17. ओकारान्तः स्त्रीलिङ्गः 'द्यो' शब्दः
द्यो=Sky.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | द्यौः | द्यावौ | द्यावः |
| Voc. | हे द्यौः | हे द्यावौ | हे द्यावः |
| Acc. | द्याम् | द्यावौ | द्याः |

The other forms are like those of 'गो' (8)

Sabda 18. औकारान्तः स्त्रीलिङ्गः 'नौ' शब्दः
नौ=A boat.

Decline like ग्लौ (9)

## CLASS 3.

Neuter words ending in vowels.

### अजन्तनपुंसकलिङ्गप्रकरणम्

Sabda 19. अकारान्त नपुंसकलिङ्गः 'ज्ञान' शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | ज्ञानम् | ज्ञाने | ज्ञानानि |
| Voc. | हे ज्ञान | हे ज्ञाने | हे ज्ञानानि |
| Acc. | ज्ञानम् | ज्ञाने | ज्ञानानि |

The other forms are like those of masculine nouns ending in अ. (1) Similary decline वन, फल, नेत्र, धन etc.

Sabda 20. इकारान्तनपुंसकलिङ्गः 'वारि' शब्दः.
वारि=Water.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | वारि | वारिणी | वारीणि |
| Voc. | हे वारे, हे वारि | हे वारिणी | हे वारीणि |
| Acc. | वारि | वारिणी | वारीणि |

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Ins. | वारिणा | वारिभ्यां | वारिभिः |
| Dat. | वारिणे | वारिभ्यां | वारिभ्यः |
| Abl. | वारिणः | वारिभ्यां | वारिभ्यः |
| Gen. | वारिणः | वारिणोः | वारीणाम् |
| Loc. | वारिणि | वारिणोः | वारिषु |

Similarly decline करङ्घ्रि, पादपाणि etc.

Sabda 21. इकारान्त नपुंसकल्लिङ्गः 'सुरभि' शब्दः

सुरभि=(Adj.) Sweet-smelling.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | सुरभि | सुरभिणी | सुरभीणि |
| Voc. | हे सुरभे, हे सुरभि | हे सुरभिणी | हे सुरभीणि |
| Acc. | सुरभि | सुरभिणी | सुरभीणि |
| Ins. | सुरभिणा | सुरभिम्यां | सुरभिभिः |
| Dat. | सुरभिणे, सुरभये | सुरभिभ्यां | सुरभिभ्यः |
| Abl. | सुरभिणः, सुरभेः | सुरभिभ्यां | सुरभिभ्यः |
| Gen. | सुरभिणः, सुरभेः | सुरभिणोः, सुरभ्योः | सुरभीणाम् |
| Loc. | सुरभिणि, सुरभौ | सुरभिणोः, सुरभ्योः | सुरभिषु |

Similarly decline शुचि, अनादि etc.

Sabda 22. उकारान्तः नपुंसकल्लिङ्गः 'मधु' शब्दः.

मधु=Honey.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | मधु | मधुनी | मधूनि |
| Voc. | हे मधो, हे मधु | हे मधुनी | हे मधूनि |
| Acc. | मधु | मधुनी | मधूनी |
| Ins. | मधुना | मधुभ्यां | मधुभिः |
| Dat. | मधुने | मधुभ्यां | मधुभ्यः |
| Abl. | मधुनः | मधुभ्यां | मधुभ्यः |



SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Gen. | मधुनः | मधुनोः | मधूनाम् |
| Loc. | मधुनि | मधुनोः | मधुषु |

Similarly decline अम्बु, वस्तु, अश्रु etc.

Sabda 23. उकारान्तः नपुंसकलिङ्गः 'मृदु' शब्दः.

मृदु (Adj.)=Soft.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | मृदु | मृदुनी | मृदूनि |
| Voc. | हे मृदो हे मृदु | हे मृदुनी | हे मृदूनि |
| Acc. | मृदु | मृदुनी | मृदूनि |
| Ins. | मृदुना | मृदुभ्यां | मृदुभिः |
| Dat. | मृदुने, मृदवे | मृदुभ्यां | मृदुभ्यः |
| Abl. | मृदुनः, मृदोः | मृदुभ्यां | मृदुभ्यः |
| Gen. | मृदुनः, मृदोः | मृदुनोः, मृद्वोः | मृदूनाम् |
| Loc. | मृदुनि, मृदौ | मृदुनोः मृद्वोः | मृदुषु |

Similarly decline पृथु, पटु, लघु etc.

Sabda 24. ऋकारान्तनपुंसकलिङ्गः 'दातृ' शब्दः

दातृ (adj.)=One that gives.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | दातृ | दातृणी | दातॄणि |
| Voc. | हे दातृ, हे दातः | हे दातृणी | हे दातॄणि |
| Acc. | दातृ | दातृणी | दातॄणि |
| Ins. | दातृणा, दात्रा | दातृभ्यां | दातृभिः |
| Dat. | दातृणे, दात्रे | दातृभ्यां | दातृभ्यः |
| Abl. | दातृणः, दातुः | दातृभ्यां | दातृभ्यः |
| Gen. | दातृणः, दातुः | दातृणोः, दात्रोः | दातॄणाम् |
| Loc. | दातृणि, दातरि | दातृणोः, दात्रोः | दातृषु |

Similarly decline कर्तृ, गन्तृ, वक्तृ etc. All these can be declined in masculine too—see Sabda 4.

———

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

## CLASS 4.

### Masculine words ending in Consonants.

### हलन्तपुंलिङ्गप्रकरणम्

Sabda 25. चकारान्तः पुल्लिङ्गः " जलमुच् " शब्दः

जलमुच् = Cloud.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | *जलमुक् | जलमुचौ | जलमुचः |
| Voc. | हे जलमुक् | हे जलमुचौ | हे जलमुचः |
| Acc. | जलमुचम् | जलमुचौ | जलमुचः |
| Ins. | जलमुचा | जलमुग्भ्यां | जलमुग्भिः |
| Dat. | जलमुचे | जलमुग्भ्यां | जलमुग्भ्यः |
| Abl. | जलमुचः | जलमुग्भ्यां | जलमुग्भ्यः |
| Gen. | जलमुचः | जलमुचोः | जलमुचाम् |
| Loc. | जलमुचि | जलमुचोः | जलमुक्षु |

Similarly decline पयोमुच्, धनमुच्, सुवाच् etc.

26. जकारान्तः पुल्लिङ्गः ' भिषज् ' शब्दः.

भिषज् = A Doctor.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | भिषक् | भिषजौ | भिषजः |
| Voc. | हे भिषक् | हे भिषजौ | हे भिषजः |
| Acc. | भिषजम् | भिषजौ | भिषजः |
| Ins. | भिषजा | भिषग्भ्यां | भिषग्भिः |
| Dat. | भिषजे | भिषग्भ्यां | भिषग्भ्यः |

* The final च् or ज् is changed to क् when followed by a hard consonant or by nothing and to ग् when followed by a soft consonant.

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Abl. | भिषजः | भिषग्भ्यां | भिषग्भ्यः |
| Gen. | भिषजः | भिषजोः | भिषजाम् |
| Loc. | भिषजि | भिषजोः | भिषक्षु |

Similarly decline वणिज्, सुयुज्, हुतभुज्, ऋत्विज् etc.

27. जकारान्तः पुल्लिङ्गः 'राज्' शब्दः.
राज्=A King.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | *राट् | राजौ | राजः |
| Voc. | हे राट् | हे राजौ | हे राजः |
| Acc. | राजम् | राजौ | राजः |
| Ins. | राजा | राड्भ्यां | राड्भिः |
| Dat. | राजे | राड्भ्यां | राड्भ्यः |
| Abl. | राजः | राड्भ्यां | राड्भ्यः |
| Gen. | राजः | राजोः | राजाम् |
| Loc. | राजि | राजोः | राट्सु |

Similarly decline सम्राज्, † परिव्राज् etc.

28. तकारान्तः पुल्लिङ्गः 'मरुत्' शब्दः.
मरुत् = Wind.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | मरुत् | मरुतौ | मरुतः |
| Voc. | हे मरुत् | हे मरुतौ | हे मरुतः |
| Acc. | मरुतम् | मरुतौ | मरुतः |
| Ins. | मरुता | मरुद्भ्यां | मरुद्भिः |

---

* The final of व्रश्च्, भ्रस्ज्, सृज्, मृज्, यज्, राज् and भ्राज् are changed to ट् or ड्.

† The ज् of परिव्राज् is changed to ट् or ड्।

SGDF
Sri Gurgeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Dat. | मरुते | मरुद्भ्यां | मरुद्भ्यः |
| Abl. | मरुतः | मरुद्भ्यां | मरुद्भ्यः |
| Gen. | मरुतः | मरुतोः | मरुताम् |
| Loc. | मरुति | मरुतोः | मरुत्सु |

Similarly decline भूभृत्, कर्मकृत्, इन्द्रजित् etc. The Present Participles of roots of the III Conjugation are declined like मरुत्। ददत्, बिभ्रत्, जुह्वत्, दधत् etc.

29. तकारान्तः पुल्लिङ्गः 'पचत्' शब्दः.

पचत्=A person cooking.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | *पचन् | पचन्तौ | पचन्तः |
| Voc. | हे पचन् | हे पचन्तौ | हे पचन्तः |
| Acc. | पचन्तम् | पचन्तौ | पचतः |
| Ins. | पचता | पचद्भ्यां | पचद्भिः |
| Dat. | पचते | पचद्भ्यां | पचद्भ्यः |
| Abl. | पचतः | पचद्भ्यां | पचद्भ्यः |
| Gen. | पचतः | पचतोः | पचताम् |
| Loc. | पचति | पचतोः | पचत्सु |

Similarly decline गच्छत्, गमिष्यत्, हरत्, हरिष्यत्, ब्रुवत् नयत्, रक्षत्, कथयत् etc.

30. तकारान्तः पुल्लिङ्गः 'धीमत्' शब्दः.

धीमत्=Intelligent.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | धीमान् | धीमन्तौ | धीमन्तः |
| Voc. | हे धीमन् | हे धीमन्तौ | हे धीमन्तः |

* Similarly decline all other Participles of the present and the future (Parasmaipada) in the masculine.

SGDF Sri Gargeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Acc. | धीमन्तम् | धीमन्तौ | धीमतः |
| Ins. | धीमता | धीमद्भ्यां | धीमद्भिः |
| Dat. | धीमते | धीमद्भ्यां | धीमद्भ्यः |
| Abl. | धीमतः | धीमद्भ्यां | धीमद्भ्यः |
| Gen. | धीमतः | धीमतोः | धीमताम् |
| Loc. | धीमति | धीमतोः | धीमत्सु |

Similarly decline श्रुतिमत्, भगवत्, कियत्, यावत् etc.

The words पचत्, धीमत्, महत् become पचन्ती, धीमती, महती in feminine.

31. तकारान्तः पुंलिङ्गः 'महत्' शब्दः

महत् (Adj.) = Great.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | महान् | महान्तौ | महान्तः |
| Voc. | हे महन् | हे महान्तौ | हे महान्तः |
| Acc. | महान्तम् | महान्तौ | महतः |

The other forms are like those of 'मरुत्' (28).

32. दकारान्तः पुंलिङ्गः 'सुहृद्' शब्दः.

सुहृत् = A Friend.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | सुहृत् | सुहृदौ | सुहृदः |
| Voc. | हे सुहृत् | हे सुहृदौ | हे सुहृदः |
| Acc. | सुहृदम् | सुहृदौ | सुहृदः |
| Ins. | सुहृदा | सुहृद्भ्यां | सुहृद्भिः |
| Dat. | सुहृदे | सुहृद्भ्यां | सुहृद्भ्यः |
| Abl. | सुहृदः | सुहृद्भ्यां | सुहृद्भ्यः |

SGDF
Sri Gangeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Gen. | सुहृदः | सुहृदोः | सुहृदाम् |
| Loc. | सुहृदि | सुहृदोः | सुहृत्सु |

Similarly Decline दिविषद्, शास्त्रविद् etc.

33. नकारान्तः पुल्लिङ्गः 'राजन्' शब्दः.

राजन्=A King.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | राजा | राजानौ | राजानः |
| Voc. | हे राजन् | हे राजानौ | हे राजानः |
| Acc. | राजानम् | राजानौ | राज्ञः |
| Ins. | राज्ञा | राजभ्यां | राजभिः |
| Dat. | राज्ञे | राजभ्यां | राजभ्यः |
| Abl. | राज्ञः | राजभ्यां | राजभ्यः |
| Gen. | राज्ञः | राज्ञोः | राज्ञाम् |
| Loc. | राज्ञि, राजनि | राज्ञोः | राजसु |

Similarly decline मूर्धन्, तक्षन्, सुनामन्, महिमन्, पीवन्, अणिमन्, गरिमन् etc.

The word राजन् becomes 'राज्ञी' in feminine.

34. नकारान्तः पुल्लिङ्गः 'आत्मन्' शब्दः.

आत्मन्=Soul.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | *आत्मा | आत्मानौ | आत्मानः |
| Voc. | हे आत्मन् | हे आत्मानौ | हे आत्मानः |
| Acc. | आत्मानम् | आत्मानौ | आत्मनः |

*The words ending in अन् preceded by a conjunct consonant having म् or व् for its latter member belong to this class.

SGDF
Sri Gangeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Ins. | आत्मना | आत्मभ्यां | आत्मभिः |
| Dat. | आत्मने | अत्मभ्यां | आत्मभ्यः |
| Abl. | आत्मनः | आत्मभ्यां | आत्मभ्यः |
| Gen. | अत्मनः | आत्मनोः | आत्मनाम् |
| Loc. | आत्मनि | आत्मनोः | आत्मसु |

Similarly decline ब्रह्मन्, सुपर्वन्, अध्वन् etc.

### 35. नकारान्तः पुल्लिङ्गः 'श्वन्' शब्दः.

† श्वन्=A Dog.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | † श्वा | श्वानौ | श्वानः |
| Voc. | हे श्वन् | हे श्वानौ | हे श्वानः |
| Acc. | श्वानम् | श्वानौ | शुनः |
| Ins. | शुना | श्वभ्यां | श्वभिः |
| Dat. | शुने | श्वभ्यां | श्वभ्यः |
| Abl. | शुनः | श्वभ्यां | श्वभ्यः |
| Gen. | शुनः | शुनोः | शुनाम् |
| Loc. | शुनि | शुनोः | श्वसु |

### 36. नकारान्तः पुल्लिङ्गः 'युवन्' शब्दः.

* युवन्=A young man.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | युवा | युवानौ | युवानः |
| Voc. | हे युवन् | हे युवानौ | हे युवानः |

---

† The word 'श्वन्' becomes 'शुनी' in feminine and should be declined like 'गौरी' (12 above)

*The word 'युवन्' becomes 'युवती' and 'युवतिः' in feminine.

SGDF
Sri Gangeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Acc. | युवानम् | युवानौ | यूनः |
| Ins. | यूना | युवभ्यां | युवभिः |
| Dat. | यूने | युवभ्यां | युवभ्यः |
| Abl. | यूनः | युवभ्यां | युवभ्यः |
| Gen. | यूनः | यूनोः | यूनाम् |
| Loc. | यूनि | यूनोः | युवसु |

37. नकारान्तः पुल्लिङ्गः 'मघवन्' शब्दः.

मघवन्=Indra.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | मघवा | मघवानौ | मघवानः |
| Voc. | हे मघवन् | हे मघवानौ | मघवानः |
| Acc. | मघवानम् | मघवानौ | मघोनः |
| Ins. | मघोना | मघवभ्यां | मघवभिः |
| Dat. | मघोने | मघवभ्यां | मघवभ्यः |
| Abl. | मघोनः | मघवभ्यां | मघवभ्यः |
| Gen. | मघोनः | मघोनोः | मघोनाम् |
| Loc. | मघोनि | मघोनोः | मघवसु |

38. नकारान्तः पुल्लिङ्गः 'पथिन्' शब्दः

पथिन्=A way.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | पन्थाः | पन्थानौ | पन्थानः |
| Voc. | हे पन्थाः | हे पन्थानौ | हे पन्थानः |
| Acc. | पन्थानम् | पन्थानौ | पथः |
| Ins. | पथा | पथिभ्यां | पथिभिः |
| Dat. | पथे | पथिभ्यां | पथिभ्यः |

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Abl. | पथः | पथिभ्यां | पथिभ्यः |
| Gen. | पथः | पथोः | पथाम् |
| Loc. | पथि | पथोः | पथिषु |

Similarly decline मथिन् etc.

39. नकारान्तः पुल्लिङ्गः 'करिन्' शब्दः.

‡ करिन्=An elephant.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | करी | करिणौ | करिणः |
| Voc. | हे करिन् | हे करिणौ | हे करिणः |
| Acc. | करिणम् | करिणौ | करिणः |
| Ins. | करिणा | करिभ्यां | करिभिः |
| Dat. | करिणे | करिभ्यां | करिभ्यः |
| Abl. | करिणः | करिभ्यां | करिभ्यः |
| Gen. | करिणः | करिणोः | करिणाम् |
| Loc. | करिणि | करिणोः | करिषु |

Similarly decline गुणिन्, धनिन्, शशिन् etc.

40. शकारान्तः पुल्लिङ्गः 'विश्' शब्दः.

विश्=People, Man.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | *विट् | विशौ | विशः |
| Voc. | हे विट् | हे विशौ | हे विशः |
| Acc. | विशम् | विशौ | विशः |

‡ The word करिन् becomes करिणी in feminine.

* The ending श् of root-nouns is changed to ट् or ड्. But the श् of दिश्, दृश् and स्पृश् is changed to क् or ग्।

SGDF
Sri Gurgaonwali Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Ins. | विशा | विड्भ्यां | विड्भिः |
| Dat. | विशे | विड्भ्यां | विड्भ्यः |
| Abl. | विशः | विड्भ्यां | विड्भ्यः |
| Gen. | विशः | विशोः | विशाम् |
| Loc. | विशि | विशोः | विट्सु |

41. शकारान्तः पुल्लिङ्गः 'तादृश् ‡' शब्दः

* तादृश्=Like that.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | तादृक् | तादृशौ | तादृशः |
| Voc. | हे तादृक् | हे तादृशौ | हे तादृशः |
| Acc. | तादृशम् | तादृशौ | तादृशः |
| Ins. | तादृशा | तादृग्भ्यां | तादृग्भिः |
| Dat. | तादृशे | तादृग्भ्यां | तादृग्भ्यः |
| Abl. | तादृशः | तादृग्भ्यां | तादृग्भ्यः |
| Gen. | तादृशः | तादृशोः | तादृशाम् |
| Loc. | तादृशि | तादृशोः | तादृक्षु |

Similarly decline ईदृश्, मादृश् त्वादृश्, अस्मादृश्, युष्मादृश्, भवादृश् 'etc.

42. षकारान्तः पुल्लिङ्गः 'द्विष्' शब्दः

द्विष्=An enemy.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | द्विट् | द्विषौ | द्विषः |
| Voc. | हे द्विट् | हे द्विषौ | हे द्विषः |

‡ The alternate form तादृश is declined like राम.

* The word तादृश्, becomes तादृशी in feminine. But the word तादृश becomes तादृशा (like रमा).

SGDF
Sri Gurgeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Acc. | द्विषम् | द्विषौ | द्विषः |
| Ins. | द्विषा | द्विड्भ्यां | द्विड्भिः |
| Dat. | द्विषे | द्विड्भ्यां | द्विड्भ्यः |
| Abl. | द्विषः | द्विड्भ्यां | द्विड्भ्यः |
| Gen. | द्विषः | द्विषोः | द्विषाम् |
| Loc. | द्विषि | द्विषोः | द्विट्सु |

Similarly decline रत्नमुष्, सितत्विष् etc.

43. सकारान्तः पुल्लिङ्गः 'वेधस्' शब्दः.

वेधस्=Brahma.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | वेधाः | वेधसौ | वेधसः |
| Voc. | हे वेधः | हे वेधसौ | हे वेधसः |
| Acc. | वेधसम् | वेधसौ | वेधसः |
| Ins. | वेधसा | वेधोभ्यां | वेधोभिः |
| Dat. | वेधसे | वेधोभ्यां | वेधोभ्यः |
| Abl. | वेधसः | वेधोभ्यां | वेधोभ्यः |
| Gen. | वेधसः | वेधसोः | वेधसाम् |
| Loc. | वेधसि | वेधसोः | वेधस्सु |

Similarly decline चन्द्रमस्, सुमनस्, etc.

44. सकारान्तः पुल्लिङ्गः 'श्रेयस्' शब्दः

* श्रेयस्=Better one.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | श्रेयान् | श्रेयांसौ | श्रेयांसः |
| Voc. | हे श्रेयन् | हे श्रेयांसौ | हे श्रेयांसः |

* The word श्रेयस् becomes श्रेयसी in feminine.

SGDF

| | | | |
|---|---|---|---|
| Acc. | श्रेयांसम् | श्रेयांसौ | श्रेयसः |
| Ins. | श्रेयसा | श्रेयोभ्यां | श्रेयोभिः |
| Dat. | श्रेयसे | श्रेयोभ्यां | श्रेयोभ्यः |
| Abl. | श्रेयसः | श्रेयोभ्यां | श्रेयोभ्यः |
| Gen. | श्रेयसः | श्रेयसोः | श्रेयसाम् |
| Loc. | श्रेयसि | श्रेयसोः | श्रेयस्सु |

Similarly decline गरीयस्, स्थवीयस् etc.

45. सकारान्तः पुल्लिङ्गः 'विद्वस्' शब्दः

* विद्वस् = Scholar.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | विद्वान् | विद्वांसौ | विद्वांसः |
| Voc. | हे विद्वन् | हे विद्वांसौ | हे विद्वांसः |
| Acc. | विद्वांसम् | विद्वांसौ | विदुषः |
| Ins. | विदुषा | विद्वद्भ्यां | विद्वद्भिः |
| Dat. | विदुषे | विद्वद्भ्यां | विद्वद्भ्यः |
| Abl. | विदुषः | विद्वद्भ्यां | विद्वद्भ्यः |
| Gen. | विदुषः | विदुषोः | विदुषाम् |
| Loc. | विदुषि | विदुषोः | विद्वत्सु |

Similarly decline ऊचिवस्, उपेयिवस्, सेदिवस् etc.

46. सकारान्तः पुल्लिङ्गः 'उपेयिवस्' शब्दः

उपेयिवस् = Gone.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | उपेयिवान् | उपेयिवांसौ | उपेयिवांसः |
| Voc. | हे उपेयिवन् | हे उपेयिवांसौ | हे उपेयिवांसः |

* The word विद्वस् becomes विदुषी in feminine.

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Acc. | उपेयिवांसम् | उपेयिवांसौ | उपेयुषः |
| Ins. | उपेयुषा | उपेयिवद्भ्यां | उपेयिवद्भिः |
| Dat. | उपेयुषे | उपेयिवद्भ्यां | उपेयिवद्भ्यः |
| Abl. | उपेयुषः | उपेयिवद्भ्यां | उपेयिवद्भ्यः |
| Gen. | उपेयुषः | उपेयुषोः | उपेयुषाम् |
| Loc. | उपेयुषि | उपेयिषोः | उपेयिवत्सु |

Similarly decline तस्थिवस्

47. सकारान्तः पुल्लिङ्गः 'पुंस्' शब्दः

पुंस्=A man.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | पुमान् | पुमांसौ | पुमांसः |
| Voc. | हे पुमन् | हे पुमांसौ | हे पुमांसः |
| Acc. | पुमांसम् | पुमांसौ | पुंसः |
| Ins. | पुंसा | पुम्भ्यां | पुम्भिः |
| Dat. | पुंसे | पुम्भ्यां | पुम्भ्यः |
| Abl. | पुंसः | पुम्भ्यां | पुम्भ्यः |
| Gen. | पुंसः | पुंसोः | पुंसाम् |
| Loc. | पुंसि | पुंसोः | पुंसु |

48. सकारान्तः पुल्लिङ्गः 'दोस्' शब्दः.

दोस्=Hand.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | दोः | दोषौ | दोषः |
| Voc. | हे दोः | हे दोषौ | हे दोषः |
| Acc. | दोषम् | दोषौ | दोषः |
| Ins. | दोषा | दोर्भ्यां | दोर्भिः |

SGDF
Sri Gangeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Dat. | दोषे | दोर्भ्यां | दोर्भ्यः |
| Abl. | दोषः | दोर्भ्यां | दोर्भ्यः |
| Gen. | दोषः | दोषोः | दोषाम् |
| Loc. | दोषि | दोषोः | दोष्षु |

49. हकारान्तः पुल्लिङ्गः 'लिह्' शब्दः.

लिह्=One who licks.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | लिट् | लिहौ | लिहः |
| Voc. | हे लिट् | हे लिहौ | हे लिहः |
| Acc. | लिहम् | लिहौ | लिहः |
| Ins. | लिहा | लिड्भ्यां | लिड्भिः |
| Dat. | लिहे | लिड्भ्यां | लिड्भ्यः |
| Abl. | लिहः | लिड्भ्यां | लिड्भ्यः |
| Gen. | लिहः | लिहोः | लिहाम् |
| Loc. | लिहि | लिहोः | लिट्सु |

Similarly decline भूरुह्, महीरुह् etc.

---

**CLASS 5.**

Feminine words ending in consonants.

## हलन्तस्त्रीलिङ्गप्रकरणम्

50. चकारान्तः स्त्रीलिङ्गः 'वाच्' शब्दः like 'ज़लमुच' (25)

वाच्=Speech.

Similarly decline त्वच्, रुच् etc.

51. जकारान्तः स्त्रीलिङ्गः 'स्रज्' शब्दः like 'भिषज्' (26)

स्रज्=Garland.

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

52. तकारान्तः स्त्रीलिङ्गः 'सरित्' शब्दः like 'मरुत्' (28)

सरित्=River.

Similarly decline हरित्, तडित्, etc.

53. दकारान्तः स्त्रीलिङ्गः 'शरद्' शब्दः like 'सुहृद्' (32)

शरद्=Autumn.

Similarly decline सम्पद्, आपद्, मृद् etc.

54. धकारान्तः स्त्रीलिङ्गः 'क्षुध्' शब्दः.

क्षुध्=Hunger.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | क्षुत् | क्षुधौ | क्षुधः |
| Voc. | हे क्षुत | हे क्षुधौ | हे क्षुधः |
| Acc. | क्षुधम् | क्षुधौ | क्षुधः |
| Ins. | क्षुधा | क्षुद्भ्यां | क्षुद्भिः |
| Dat. | क्षुधे | क्षुद्भ्यां | क्षुद्भ्यः |
| Abl. | क्षुधः | क्षुद्भ्यां | क्षुद्भ्यः |
| Gen. | क्षुधः | क्षुधोः | क्षुधाम् |
| Loc. | क्षुधि | क्षुधोः | क्षुत्सु |

Similarly decline युध्, समिध्, वीरुध् etc. 'मर्मविध्' etc. in masculine too should be declined like this.

55. नकारान्तः स्त्रीलिङ्गः 'सीमन्' *शब्दः. like 'राजन्' (33)

सीमन्=Limit.

Similary decline दामन्.

---

* The words सीमन्, दामन् etc. are formed by the addition of मन् do not take the feminine termination ई though they end in न्. These words are, however optionally declined like feminine words ending in आ-सीमा, सीमे सीमाः etc.

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

56. पकारान्तः स्त्रीलिङ्गः 'अप्' शब्दः.

(नित्यं बहुवचनान्तः—Decline only in the Plural.)

अप् = Water.

Nom. आपः Voc. आपः Acc. अपः Ins. अद्भिः
Dat. अद्भ्यः Abl. अद्भ्यः Gen. अपाम् Loc. अप्सु

57. भकारान्तः स्त्रीलिङ्गः 'ककुभ्' शब्दः.

ककुभ् = Direction.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | ककुप् | ककुभौ | ककुभः |
| Voc. | हे ककुप् | हे ककुभौ | हे ककुभः |
| Acc. | ककुभम् | ककुभौ | ककुभः |
| Ins. | ककुभा | ककुब्भ्यां | ककुब्भिः |
| Dat. | ककुभे | ककुब्भ्यां | ककुब्भ्यः |
| Abl. | ककुभः | ककुब्भ्यां | ककुब्भ्यः |
| Gen. | ककुभः | ककुभोः | ककुभाम् |
| Loc. | ककुभि | ककुभोः | ककुप्सु |

58. रेफान्तः स्त्रीलिङ्गः 'गिर्' शब्दः.

गिर् = Goddess Sarasvati or Speech.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | गीः | गिरौ | गिरः |
| Voc. | हे गीः | हे गिरौ | हे गिरः |
| Acc. | गिरम् | गिरौ | गिरः |
| Ins. | गिरा | गीर्भ्यां | गीर्भिः |
| Dat. | गिरे | गीर्भ्यां | गीर्भ्यः |
| Abl. | गिरः | गीर्भ्यां | गीर्भ्यः |



SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Gen. | गिर: | गिरो: | गिराम् |
| Loc. | गिरि | गिरो: | गीर्षु |

Similarly decline धुर्, पुर् etc.

59. वकारान्तः स्त्रीलिङ्गः 'दिव्' शब्दः.

दिव् = Sky

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | *द्यौः | दिवौ | दिवः |
| Voc. | हे द्यौः | हे दिवौ | हे दिवः |
| Acc. | दिवम् | दिवौ | दिवः |
| Ins. | दिवा | द्युभ्यां | द्युभिः |
| Dat. | दिवे | द्युभ्यां | द्युभ्यः |
| Abl. | दिवः | द्युभ्यां | द्युभ्यः |
| Ins. | दिवः | दिवोः | दिवाम् |
| Loc. | दिवि | दिवोः | द्युषु |

60. शकारान्तः स्त्रीलिङ्गः 'दिश्' शब्दः

दिश् = Direction

like पुल्लिङ्ग तादृश् शब्द

61. शकारान्तः स्त्रीलिङ्गः 'निश्' शब्दः । like 'विश्' शब्द.

निश् = Night.

Similarly decline विपाश्.

62. षकारान्तः स्त्रीलिङ्गः 'प्रावृष्' शब्दः.

प्रावृष् = Rainy Season

like 'द्विष्' शब्द

Similarly decline त्विष्.

---

* Note the other word द्यो is declined like गो. See Sabdas 8 and 17.

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

63. सकारान्तः स्त्रीलिङ्गः 'भास्' शब्दः.

भास्=Splendour.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | भाः | भासौ | भासः |
| Voc. | हे भाः | हे भासौ | हे भासः |
| Acc. | भासम् | भासौ | भासः |
| Ins. | भासा | भाभ्यां | भाभिः |
| Dat. | भासे | भाभ्यां | भाभ्यः |
| Abl. | भासः | भाभ्यां | भाभ्यः |
| Gen. | भासः | भासोः | भासाम् |
| Loc. | भासि | भासोः | भास्सु |

64. सकारान्तः स्त्रीलिङ्गः 'आशिस्' शब्दः.

अशिस्=Blessing.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | आशीः | आशिषौ | आशिषः |
| Voc. | हे आशीः | हे आशिषौ | हे आशिषः |
| Acc. | आशिषम् | आशिषौ | आशिषः |
| Ins. | आशिषा | आशीर्भ्यां | आशीर्भिः |
| Dat. | आशिषे | आशीर्भ्यां | आशीर्भ्यः |
| Abl. | आशिषः | आशीर्भ्यां | आशीर्भ्यः |
| Gen. | आशिषः | आशिषोः | आशिषाम् |
| Loc. | आशिषि | आशिषोः | आशीष्षु |

65. हकारान्तः स्त्रीलिङ्गः 'उपानह्' शब्दः.

उपानह्=A Shoe.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | उपानत् | उपानहौ | उपानहः |
| Voc. | हे उपानत् | हे उपानहौ | हे उपानहः |

SGDF
Sri Gurgeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Acc. | उपानहम् | उपानहौ | उपानहः |
| Ins. | उपानहा | उपानद्भ्यां | उपानद्भिः |
| Dat. | उपानहे | उपानद्भ्यां | उपानद्भ्यः |
| Abl. | उपानहः | उपानद्भ्यां | उपानद्भ्यः |
| Gen. | उपानहः | उपानहोः | उपानहाम् |
| Loc. | उपानहि | उपानहोः | उपानत्सु |

---

## CLASS 6.

### Neuter words ending in consonants

### हलन्तनपुंसकलिङ्गप्रकरणम्

66. चकारान्तः नपुंसकलिङ्गः 'सुवाच्' = Eloquent (adj.) शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | सुवाक् | सुवाची | सुवाञ्चि |
| Voc. | हे सुवाक् | हे सुवाची | हे सुवाञ्चि |
| Acc. | सुवाक् | सुवाची | सुवाञ्चि |

Rest like of जलमुच्.

67. जकारान्तः नपुंसकलिङ्गः 'भाज्' (=One that possesses) शब्दः

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | भाक् | भाजी | भाञ्जि |
| Voc. | हे भाक् | हे भाजी | हे भाञ्जि |
| Acc. | भाक् | भाजी | भाञ्जि |

Rest like भिषज्.

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

68. तकारान्तः नपुंसकलिङ्गः 'महत्' शब्दः.

'महत्' = Great (Adj.)

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | महत् | महती | महान्ति |
| Voc. | हे महत् | हे महती | हे महान्ति |
| Acc. | महत् | महती | महान्ति |

Rest like masculine.

69. तकारान्तः नपुंसकलिङ्गः 'जगत्' शब्दः.

'जगत्' = Universe.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | जगत् | जगती | जगन्ति |
| Voc. | हे जगत् | हे जगती | हे जगन्ति |
| Voc. | जगत् | जगती | जगन्ति |

Rest like मरुत्.

Similarly decline भास्वत्, गतवत्, अदत्, बृहत् etc. and the Present Participles of the roots of V, VII, VIII and IX conjugations.

70. तकारान्तः नपुंसकलिङ्गः 'जुह्वत्' (= One that sacrifices) शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | जुह्वत् | जुह्वती | जुह्वति, जुह्वन्ति |
| Voc. | हे जुह्वत् | हे जुह्वती | हे जुह्वति, हे जुह्वन्ति |
| Acc. | जुह्वत् | जुह्वती | जुह्वति, जुह्वन्ति |

Rest like मरुत्.

Similarly decline ददत् etc. and other Present Participles of the Root of the III conjugation and शासत्, जक्षत्, जाग्रत् etc.

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

71. तकारान्तः नपुंसकलिङ्गः 'नुदत्' (=One that dispels) शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | नुदत् | नुदन्ती, नुदती | नुदन्ति |
| Voc. | हे नुदत् | हे नुदन्ती, हे नुदती | हे नुदन्ति |
| Acc. | नुदत | नुदन्ती, नुदती | नुदन्ति |

Rest like मरुत्.

72. तकारान्तः नपुंसकलिङ्गः 'भवत्' (=One that comes into being) शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | भवत् | भवन्ती | भवन्ति |
| Voc. | हे भवत् | हे भवन्ती | हे भवन्ति |
| Acc. | भवत् | भवन्ती | भवन्ति |

Rest like मरुत्.

Similarly decline the present participles of the roots of the I, IV and X Conjugations and चिकीर्षत्, पुत्रीयत् etc.

73. दकारान्तः नपुंसकलिङ्गः 'हृद्' (=Heart) शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | हृत् | हृदी | हृन्दि |
| Voc. | हे हृत् | हे हृदी | हे हृन्दि |
| Acc. | हृत | हृदी | हृन्दि |

Rest like सुहृद्.

---

* Similarly decline the Present Participles formed from the roots belonging to the VI Conjugation and thc Roots ending in long आ of the II Conjugation and future participles.

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

74. नकारान्तः नपुंसकलिङ्गः 'कर्मन्' (=Action) शब्दः

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | कर्म | कर्मणी | कर्माणि |
| Voc. | हे कर्मन्, हे कर्म | हे कर्मणी | हे कर्माणि |
| Acc. | कर्म | कर्मणी | कर्माणि |

Rest llke आत्मन्.

Similarly decline शर्मन्, वर्मन्, वेश्मन्, सद्मन् etc.

75. नकारान्तः नपुंसकलिङ्गः 'नामन्' (=Name) शब्दः

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | नाम | नाम्नी, नामनी | नामानि |
| Voc. | हे नामन्, हे नाम | हे नाम्नी, हे नामनी | हे नामानि |
| Acc. | नाम | नाम्नी, नामनी | नामानि |

Rest like राजन्.

Similarly decline धामन्, व्योमन्, हेमन् etc.

76. नकारान्तः नपुंसकलिङ्गः 'गुणिन्' (=Meritorious) शब्दः

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | गुणि | गुणिनी | गुणीनि |
| Voc. | हे गुणिन्, हे गुणि | हे गुणिनी | हे गुणीनि |
| Acc. | गुणि | गुणिनी | गुणीनि |

Rest like करिन्.

Similarly decline कुशलिन्, वाग्मिन्, दण्डिन् etc.

77. नकारान्तः नपुंसकलिङ्गः 'अहन्' (Day) शब्दः

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | अहः | अह्नी, अहनी | अहानि |
| Voc. | हे अहः | हे अह्नी, हे अहनी | हे अहानि |
| Acc. | अहः | अह्नी, अहनी | अहानि |
| Ins. | अह्ना | अहोभ्यां | अहोभिः |
| Dat. | अह्ने | अहोभ्यां | अहोभ्यः |

SGDF
Sri Gangeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Abl. | अह्नः | अहोभ्यां | अहोभ्यः |
| Gen. | अह्नः | अह्नोः | अह्नाम् |
| Loc. | अह्नि, अहनि | अह्नोः | अहस्सु |

78. रेफान्तः नपुंसकलिङ्गः 'वार्' (=Water) शब्दः-

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | वाः | वारी | वारि |
| Voc. | हे वाः | हे वारी | हे वारि |
| Acc. | वाः | वारी | वारि |

Rest like गिर्.

79. शकारान्तः नपुंसकलिङ्गः 'तादृश्' (=Like that) शब्दः-

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | तादृक् | तादृशी | तादृंशि |
| Voc. | हे तादृक् | हे तादृशी | हे तादृंशि |
| Acc. | तादृक् | तादृशी | तादृंशि |

Rest like Masculine.

Similarly decline एतादृश्, ईदृश्, कीदृश् etc.

80. षकारान्तः नपुंसकलिङ्गः 'सुत्विष्' शब्दः.

सुत्विष्=That which has good splendour

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | सुत्विट् | सुत्विषी | सुत्विंषि |
| Voc. | हे सुत्विट् | हे सुत्विषी | हे सुत्विंषि |
| Acc. | सुत्विट् | सुत्विषी | सुत्विंषि |

Rest like त्विष् शब्दः

Similarly decline रत्नमुष् etc.

SGDF
Sri Gurgeshwari Digital Foundation

81. सकारान्तः नपुंसकलिङ्गः 'मनस्' (=Mind) शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | मनः | मनसी | मनांसि |
| Voc. | हे मनः | हे मनसी | हे मनांसि |
| Acc. | मनः | मनसी | मनांसि |

Rest like वेधस्.

Similarly decline तपस्, यशस् etc.

82. सकारान्तः नपुंसकलिङ्गः 'हविस्' (=Sacrificial offering) शब्दः

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | हविः | हविषी | हवींषि |
| Voc. | हे हविः | हे हविषी | हे हवींषि |
| Acc. | हविः | हविषी | हवींषि |
| Ins. | हविषा | हविर्भ्याम् | हविर्भिः |
| Dat. | हविषे | हविर्भ्याम् | हविर्भ्यः |
| Abl. | हविषः | हविर्भ्याम् | हविर्भ्यः |
| Gen. | हविषः | हविषोः | हविषाम् |
| Loc. | हविषि | हविषोः | हविष्षु |

Similarly decline सर्पिस्, ज्योतिस्, रोचिस्, आयुस्, चक्षुस्, धनुस्, वपुस् etc.

83. सकारान्तः नपुंसकलिङ्गः 'तस्थिवस्' (=That which remains or stays) शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | तस्थिवत् | तस्थुषी | तस्थिवांसि |
| Voc. | हे तस्थिवत् | हे तस्थुषी | हे तस्थिवांसि |
| Acc. | तस्थिवत् | तस्थुषी | तस्थिवांसि |

Rest like विद्वस्.

Similarly decline उचिवस्, उपेयिवस्, etc.

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

84. हकारान्तः नपुंसकलिङ्गः 'अम्भोरुह्' (=Lotus) शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | अम्भोरुट् | अम्भोरुही | अम्भोरुंहि |
| Voc. | हे अम्भोरुट् | हे अम्भोरुही | हे अम्भोरुंहि |
| Acc. | अम्भोरुट् | अम्भोरुही | अम्भोरुंहि |

Rest ilke लिह्

---

**Section II. Pronouns.**

## सर्वनामशब्दप्रकरणम्

85. अकारान्तः पुंलिङ्गः 'सर्व' (=All) शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | सर्वः | सर्वौ | सर्वे |
| Voc. | हे सर्व | हे सर्वौ | हे सर्वे |
| Acc. | सर्वम् | हे सर्वौ | हे सर्वान् |
| Ins. | सर्वेण | सर्वाभ्यां | सर्वैः |
| Dat. | सर्वस्मै | सर्वाभ्यां | सर्वेभ्यः |
| Abl. | सर्वस्मात् | सर्वाभ्यां | सर्वेभ्यः |
| Gen. | सर्वस्य | सर्वयोः | सर्वेषाम् |
| Loc. | सर्वस्मिन् | सवयोः | सर्वेषु |

Similarly decline विश्व, कतर, कतम, एकतर, एकतम, अन्य, अन्यतर, इतर and एक. When the word सम means 'All' it is declined like this. When it means 'Equal' it is declined like राम. अन्यतम is not a Pronoun as it is not mentioned in the सर्वादि group. It is, therefore, declined like राम.

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

86. आकारान्तः स्त्रीलिङ्गः 'सर्वा' शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | सर्वा | सर्वे | सर्वाः |
| Voc. | हे सर्वे | हे सर्वे | हे सर्वाः |
| Acc. | सर्वाम् | सर्वे | सर्वाः |
| Ins. | सर्वया | सर्वाभ्यां | सर्वाभिः |
| Dat. | सर्वस्यै | सर्वाभ्यां | सर्वाभ्यः |
| Abl. | सर्वस्याः | सर्वाभ्यां | सर्वाभ्यः |
| Gen. | सर्वस्याः | सर्वयोः | सर्वासाम् |
| Loc. | सर्वस्याम् | सर्वयोः | सर्वासु |

Similarly decline विश्व etc., in feminine.

87. नपुंसकलिङ्गे.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | सर्वम् | सर्वे | सर्वाणि |
| Voc. | हे सर्व | हे सर्वे | हे सर्वाणि |
| Acc. | सर्वम् | सर्वे | सर्वाणि |

Rest like masculine. Similarly decline विश्व, एकतर and सम. The Singulars in Nom. Voc. and Acc. of the other and in त् as कतरत्, कतमत्, एकतमत्, अन्यत् and इतरत्

88. अकारान्तः पुंलिङ्गः 'पूर्व' (=Eastern, Prior) शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | पूर्वः | पूर्वौ | पूर्वे, पूर्वाः |
| Voc. | हे पूर्व | हे पूर्वौ | हे पूर्वे, हे पूर्वाः |
| Acc. | पूर्वम् | पूर्वौ | पूर्वान् |
| Ins. | पूर्वेण | पूर्वाभ्यां | पूर्वैः |
| Dat. | पूर्वस्मै | पूर्वाभ्यां | पूर्वेभ्यः |

SGDF
Sri Gangeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Abl. | पूर्वस्मात्, पूर्वात् | पूर्वाभ्यां | पूर्वेभ्यः |
| Gen. | पूर्वस्य | पूर्वयोः | पूर्वेषां |
| Loc. | पूर्वस्मिन् , पूर्वे | पूर्वयोः | पूर्वेषु |

Similarly decline पर, अवर, दक्षिण, उत्तर, अधर, अधर, स्व and अन्तर.

### 89. स्त्रीलिङ्गे

The feminine forms of पूर्व (i. e. पूर्वा) etc. are to be declined like सर्वा.

### 90. नपुंसकलिङ्ग.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | पूर्वम् | पूर्वे | पूर्वाणि |
| Voc. | हे पूर्व | हे पूर्वे | हे पूर्वाणि |
| Acc. | पूर्वम् | पूर्वे | पूर्वाणि |

Rest like Masculine. Similarly decline पर. अवर, etc. in neuter.

91. अकारान्तः 'उभ' (=Both [always in dual] ) शब्दः. उभौ, उभौ, उभाभ्याम् , उभाभ्याम् , उभाभ्याम् , उभयोः, उभयोः.

### 92. स्त्रीलिङ्गे

उभे, उभे, उभाभ्याम् , उभाभ्याम् , उभाभ्याम् उभयोः, उभयोः

### 93. नपुंसकलिङ्गे Same as Feminine.

Note that the word उभ has only the dual forms in all the cases.

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

94. अकारान्तः पुल्लिङ्गः 'उभय' (=Both) शब्दः.

(Singulars) उभयः, हे उभय, उभयं, उभयेन, उभयस्मै, उभयस्मात्, उभयस्य, उभयस्मिन्.

(Plurals) उभये, हे उभये, उभयान्, उभयैः, उभयेभ्यः उभयेभ्यः, उभयेषाम्, उभयेषु.

95. स्त्रीलिङ्गे उभयी like गौरी (without dual.)

96. उभयम्, like सर्वम् (without dual)

Note that this word has *no dual* number in all genders and cases.

दकारान्तः 'तद्' (=He, She or it) शब्दः.

97. पुल्लिङ्गे

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | सः | तौ | ते |
| Acc. | तम् | तौ | तान् |
| Ins. | तेन | ताभ्याम् | तैः |
| Dat. | तस्मै | ताभ्यां | तेभ्यः |
| Abl. | तस्मात् | ताभ्यां | तेभ्यः |
| Gen. | तस्य | तयोः | तेषाम् |
| Loc. | तस्मिन् | तयोः | तेषु |

98. स्त्रीलिङ्गे

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | सा | ते | ताः |
| Acc. | ताम् | ते | ताः |

* There is no Vocative for this and the following pronouns.

इदमस्तु सन्निकृष्टं समीपतरवर्ति चैतदो रूपम्।
अदसस्तु विप्रकृष्टं तदिति परोक्षे विजानीयात्॥

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Ins. | तया | ताभ्यां | ताभिः |
| Dat. | तस्यै | ताभ्यां | ताभ्यः |
| Abl. | तस्याः | ताभ्यां | ताभ्यः |
| Gen. | तस्याः | तयोः | तासाम् |
| Loc. | तस्याम् | तयोः | तासु |

99. नपुंसकलिङ्गे

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | तत् | ते | तानि |
| Acc. | तत् | ते | तानि |

Rest like masculine.

दकारान्तः 'एतद्' (=This) शब्दः.

100. पुल्लिङ्गे

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | *एषः | एतौ | एते |
| Acc. | एतम्, एनम् | एतौ, एनौ | एतान्, एनान् |
| Ins. | एतेन, एनेन | एताभ्यां | एतैः |
| Dat. | एतस्मै | एताभ्याम् | एतेभ्यः |
| Abl. | एतस्मात् | एताभ्याम् | एतेभ्यः |
| Gen. | एतस्य | एतयोः, एनयोः | एतेषाम् |
| Loc. | एतस्मिन् | एतयोः, एनयोः | एतेषु |

---

*The विसर्ग(:) of सः and एषः is dropped when followed by any letter except अ. In the latter case the प्रश्लेषसन्धि takes place, स गच्छति, एष गच्छति but सोऽगच्छत् एषोऽगच्छत् etc.

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

101. स्त्रीलिङ्गे

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | एषा | एते | एताः |
| Acc. | एताम् , एनाम् | एते, एने | एताः, एनाः |
| Ins. | एतया, एनया | एताभ्यां | एताभिः |
| Dat. | एतस्यै | एताभ्यां | एताभ्यः |
| Abl. | एतस्याः | एताभ्यां | एताभ्यः |
| Gen. | एतस्याः | एतयोः, एनयोः | एतासाम् |
| Loc. | एतस्याम् | एतयोः, एनयोः | एतासु |

102. नपुंसकलिङ्गे

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | एतत् | एते | एतानि |
| Acc. | एतत, एनत् | एते, एने | एतानि, एनानि |

Rest like Masculine.

दकारान्तः 'यद्' (= Who [relative] शब्दः.)

103. पुल्लिङ्गे

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | यः | यौ | ये |
| Acc. | यम् | यौ | यान् |
| Ins. | येन | याभ्यां | यैः |
| Dat. | यस्मै | याभ्यां | येभ्यः |
| Abl. | यस्मात् | याभ्यां | येभ्यः |
| Gen. | यस्य | ययोः | येषाम् |
| Loc. | यस्मिन् | ययोः | येषु |

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

104. स्त्रीलिङ्गे

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | या | ये | याः |
| Acc. | याम् | ये | याः |
| Ins. | यया | याभ्यां | याभिः |
| Dat. | यस्यै | याभ्यां | याभ्यः |
| Abl. | यस्याः | याभ्यां | याभ्यः |
| Gen. | यस्याः | ययोः | यासाम् |
| Loc. | यस्याम् | ययोः | यासु |

105. नपुंसकलिङ्गे

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | यत् | ये | यानि |
| Acc. | यत् | ये | यानि |

Rest like masculine.

106. दकारान्तः 'युष्मद्' (= You) शब्दः (त्रिषु लिङ्गेषु समानरूपः)
Declined alike in all genders.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | *त्वम् | युवाम् | यूयम् |
| Acc. | त्वाम्, त्वा | युवाम्, वां | युष्मान्, वः |
| Ins. | त्वया | युवाभ्यां | युष्माभिः |
| Dat. | तुभ्यं, ते | युवाभ्यां, वां | युष्मभ्यं, वः |
| Abl. | त्वत् | युवाभ्यां | युष्मत् |

*The optional shorter forms of अस्मद् and युष्मद् are never used at the beginning of a sentence or of a foot of a metre, not can they be used immediately before the particles च, वा, ह, हा, अह and एव ।

SGDF
Sri Gurgeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Gen. | तव, ते | युवयोः, वां | युष्माकं, वः |
| Loc. | त्वयि | युवयोः | युष्मासु |

107. दकारान्तः 'अस्मद्' (=We) शब्दः (त्रिषु लिङ्गेषु समानरूपः)

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | अहम् | आवाम् | वयम् |
| Acc. | माम्, मा | आवाम्, नौ | अस्मान्, नः |
| Ins. | मया | आवाभ्यां | अस्माभिः |
| Dat. | मह्यं, मे | आवाभ्यां, नौ | अस्मभ्यं, नः |
| Abl. | मत् | आवाभ्यां | अस्मत् |
| Gen. | मम, मे | आवयोः, नौ | अस्माकं, नः |
| Loc. | मयि | आवयोः | अस्मासु |

मकारान्तः 'किम्' (=Who ? or What ?) शब्दः

108. पुंलिङ्गे

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | *कः | कौ | के |
| Acc. | कम् | कौ | कान् |
| Ins. | केन | काभ्यां | कैः |
| Dat. | कस्मै | काभ्यां | केभ्यः |
| Abl. | कस्मात् | काभ्यां | केभ्यः |
| Gen. | कस्य | कयोः | केषाम् |
| Loc. | कस्मिन् | कयोः | केषु |

*Indefinite pronouns are formed by the addition of चित्, चन or अपि to the various cases of this word in all the genders. *e. g.* कश्चित्, कश्चन, कोऽपि, केनचित्, कस्यापि etc.



SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

109. स्त्रीलिङ्गे

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | का | के | काः |
| Acc. | काम् | के | काः |
| Ins. | कया | काभ्यां | काभिः |
| Dat. | कस्यै | काभ्यां | काभ्यः |
| Abl. | कस्याः | काभ्यां | काभ्यः |
| Gen. | कस्याः | कयोः | कासाम् |
| Loc. | कस्याम् | कयोः | कासु |

110. नपुंसकलिङ्गे

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | किम् | के | कानि |
| Acc. | किम् | के | कानि |

Rest like Masculine.

मकारान्तः 'इदम्' (=This) शब्दः

111. पुंलिङ्गे

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom | अयम् | इमौ | इमे |
| Acc. | इमम्, एनम् | इमौ, एनौ | इमान्, एनान् |
| Ins. | अनेन, एनेन | आभ्यां | एभिः |
| Dat. | अस्मै | आभ्यां | एभ्यः |
| Abl. | अस्मात् | आभ्यां | एभ्यः |
| Gen. | अस्य | अनयोः, एनयोः | एषाम् |
| Loc. | अस्मिन् | अनयोः, एनयोः | एषु |

112. स्त्रीलिङ्गे

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | इयम् | इमे | इमाः |
| Acc. | इमाम्, एनां | इमे, एने | इमाः, एनाः |

SGDF
Sri Gangeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Ins. | अनया, एनया | आभ्यां | आभिः |
| Dat. | अस्यै | आभ्यां | आभ्यः |
| Abl. | अस्याः | आभ्यां | आभ्यः |
| Gen. | अस्याः | अनयोः, एनयोः | आसाम् |
| Loc. | अस्याम् | अनयोः, एनयोः | आसु |

113. नपुंसकलिङ्गे

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | इदम् | इमे | इमानि |
| Acc. | इदम्, एनत् | इमे, एने | इमानि, एनानि |

Rest like Masculine.

सकारान्तः 'अदस्' (=That) शब्दः.

114. पुंलिङ्गे

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | असौ | अमू | अमी |
| Acc. | अमुम् | अमू | अमून् |
| Ins. | अमुना | अमूभ्यां | अमीभिः |
| Dat. | अमुष्मै | अमूभ्यां | अमीभ्यः |
| Abl. | अमुष्मात् | अमूभ्यां | अमीभ्यः |
| Gen. | अमुष्य | अमुयोः | अमीषाम् |
| Loc. | अमुष्मिन् | अमुयोः | अमीषु |

---

*The optional forms of एतद् and इदम् are to be used when there is अन्वादेश, *i. e.*, when their proper forms have already been used in a previous clause; as अनेन व्याकरणमधीतम् एनं छन्दोऽध्यापय etc. अन्वादेश means the subsequent mention of a thing already mentioned.

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

115. स्त्रीलिङ्गे

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | असौ | अमू | अमूः |
| Acc. | अमूम् | अमू | अमूः |
| Ins. | अमुया | अमूभ्यां | अमूभिः |
| Dat. | अमुष्यै | अमूभ्यां | अमूभ्यः |
| Abl. | अमुष्याः | अमूभ्यां | अमूभ्यः |
| Gen. | अमुष्याः | अमुयोः | अमूषाम् |
| Loc. | अमुष्याम् | अमुयोः | अमूषु |

116. नपुंसकलिङ्गे

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | अदः | अमू | अमूनि |
| Acc. | अदः | अमू | अमूनि |

Rest like Masculine.

तकारान्तः 'भवत्' (=your Honour) शब्दः.

117. पुंलिङ्गे

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | *भवान् | भवन्तौ | भवन्तः |

Rest like धीमत्

118. स्त्रीलिङ्गे

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | भवती | भवत्यौ | भवत्यः |

Rest like गौरी

119. नपुंसकलिङ्गे

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | भवत् | भवती | भवन्ति |

Rest like जगत्

---

*Verbs must be in the III Person when the word भवत् is used in a sentence.

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

Section III

# अथ विशेषशब्दविभागः

Irregular bases.

## *Class* 1. Masculine Nouns ending in Vowels

## अजन्तपुंल्लिङ्गप्रकरणम्

120. अकारान्तः पुंलिङ्गः 'निर्जर' * (=A god) शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | निर्जरः | निर्जरौ, निर्जरसौ | निर्जराः, निर्जरसः |
| Voc. | हे निर्जर | हे निर्जरौ, हे निर्जरसौ | हे निर्जराः, हे निर्जरसः |
| Acc. | निर्जरम्, निर्जरसम् | निर्जरौ, निर्जरसौ | निर्जरान्, निर्जरसः |
| Ins. | निर्जरेण, निर्जरसा | निर्जराभ्यां | निर्जरैः |
| Dat. | निर्जराय, निर्जरसे | निर्जराभ्यां | निर्जरेभ्यः |
| Abl. | निर्जरात्, निर्जरसः | निर्जराभ्यां | निर्जरेभ्यः |
| Gen. | निर्जरस्य, निर्जरसः | निर्जरयोः, निर्जरसोः | निर्जराणां, निर्जरसां |
| Loc. | निर्जरे, निर्जरसि | निर्जरयोः, निर्जरसोः | निर्जरेषु |

Similarly decline अजर, विजर etc.

121. अकारन्तः पुंलिङ्गः 'पाद' (=Foot) शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | पादः | पादौ | पादाः |
| Voc. | हे पाद | हे पादौ | हे पादाः |
| Acc. | पादम् | पादौ | पादान्, पदः |
| Ins. | पादेन, पदा | पादाभ्यां, पद्भ्यां | पादैः, पद्भिः |

*The word जरा optionally assumes the form of जरस् before the terminations beginning with a vowel.

SGDF Sri Gargeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Dat. | पादाय, पदे | पादाभ्यां, पद्भ्यां | पादेभ्यः, पद्भ्यः |
| Abl. | पादात्, पदः | पादाभ्यां, पद्भ्यां | पादेभ्यः, पद्भ्यः |
| Gen. | पादस्य, पदः | पादयोः, पदोः | पादानाम्, पदाम् |
| Loc. | पादे, पदि | पादयोः, पदोः | पादेषु, पत्सु |

122. अकारान्तः पुंलिङ्गः 'दन्त' (=Tooth) शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | दन्तः | दन्तौ | दन्ताः |
| Voc. | हे दन्त | हे दन्तौ | हे दन्ताः |
| Acc. | दन्तम् | दन्तौ | दन्तान्, दतः |
| Ins. | दन्तेन, दता | दन्ताभ्यां, दद्भ्यां, | दन्तैः, दद्भिः |
| Dat. | दन्ताय, दते | दन्ताभ्यां, दद्भ्यां | दन्तेभ्यः, दद्भ्यः |
| Abl. | दन्तात्, दतः | दन्ताभ्यां, दद्भ्यां | दन्तेभ्यः, दद्भ्यः |
| Gen. | दन्तस्य, दतः | दन्तयोः, दतोः | दन्तानाम्, दताम् |
| Loc. | दन्ते, दति | दन्तयोः, दतोः | दन्तेषु, दत्सु |

123. अकारान्तः पुंलिङ्गः 'मास' (=Month) शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | मासः | मासौ | मासाः |
| Voc. | हे मास | हे मासौ | हे मासाः |
| Acc. | मासम् | मासौ | मासान्, मासः |
| Ins. | मासेन, मासा | मासाभ्यां, माभ्यां | मासैः, माभिः |
| Dat. | मासाय, मासे | मासाभ्यां, माभ्यां | मासेभ्यः, माभ्यः |
| Abl. | मासात्, मासः | मासाभ्यां, माभ्यां | मासेभ्यः, माभ्यः |
| Gen. | मासस्य, मासः | मासयोः, मासोः | मासानाम्, मासाम् |
| Loc. | मासे, मासि | मासयोः, मासोः | मासेषु, मास्सु |

SGDF
Sri Gurgeshwari Digital Foundation

124. अकारान्तः पुंलिङ्गः 'यूष' (=Soup) शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | यूषः | यूषौ | यूषाः |
| Voc. | हे यूष | हे यूषौ | हे यूषाः |
| Acc. | यूषम् | यूषौ | यूषान्, यूष्णः |
| Ins. | यूषेण, यूष्णा, | यूषाभ्यां, यूषभ्यां | यूषैः, यूषभिः |
| Dat. | यूषाय, यूष्णे | यूषाभ्यां, यूषभ्यां | यूषेभ्यः, यूषभ्यः |
| Abl. | यूषात्, यूष्णः | यूषाभ्यां, यूषभ्यां | यूषेभ्यः यूषभ्यः |
| Gen. | यूषस्य, यूष्णः | यूषयोः, यूष्णोः | यूषाणाम्, यूष्णाम् |
| Loc. | यूषे, यूष्णि, यूषणि | यूषयोः, यूष्णोः | यूषेषु, यूषसु |

125. आकारान्तः पुंलिङ्गः 'विश्वपा' (=Protector of the universe) शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | विश्वपाः | विश्वपौ | विश्वपाः |
| Voc. | हे विश्वपाः | हे विश्वपौ | हे विश्वपाः |
| Acc. | विश्वपाम् | विश्वपौ | विश्वपः |
| Ins. | विश्वपा | विश्वपाभ्याम् | विश्वपाभिः |
| Dat. | विश्वपे | विश्वपाभ्याम् | विश्वपाभ्यः |
| Abl. | विश्वपः | विश्वपाभ्याम् | विश्वापाभ्यः |
| Gen. | विश्वपः | विश्वपोः | विश्वपाम् |
| Loc. | विश्वपि | विश्वपोः | विश्वपासु |

Similarly decline गोपा, सोमपा, शङ्खध्मा etc.

126. आकारान्तः पुंलिङ्गः 'हाहा' (=Name of a Gandharva.) शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | हाहाः | हाहौ | हाहाः |
| Voc. | हे हाहाः | हे हाहौ | हे हाहाः |

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Acc. | हाहाम् | हाहौ | हाहान् |
| Ins. | हाहा | हाहाभ्याम् | हाहाभिः |
| Dat. | हाहै | हाहाभ्याम् | हाहाभ्यः |
| Abl. | हाहाः | हाहाभ्याम् | हाहाभ्यः |
| Gen. | हाहाः | हाहौः | हाहाम् |
| Loc. | हाहे | हाहौः | हाहासु |

127. इकारान्तः पुंलिङ्गः 'पति' (=Lord, Husband.) शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | पतिः | पती | पतयः |
| Voc. | हे पते | हे पती | हे पतयः |
| Acc. | पतिम् | पती | पतीन् |
| Ins. | पत्या | पतिभ्याम् | पतिभिः |
| Dat. | पत्ये | पतिभ्याम् | पतिभ्यः |
| Abl. | पत्युः | पतिभ्याम् | पतिभ्यः |
| Gen. | पत्युः | पत्योः | पतीनाम् |
| Loc. | पत्यौ | पत्योः | पतिषु |

Note that पति at the end of a compound is declined like हरि. गणपति, भूपति etc.

128. इकारान्तः पुल्लिङ्गः 'सखि' (=Friend.) शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | सखा | सखायौ | सखायः |
| Voc. | हे सखे | हे सखायौ | हे सखायः |
| Acc. | सखायम् | सखायौ | सखीन् |
| Ins. | सख्या | सखिभ्याम् | सखिभिः |
| Dat. | सख्ये | सखिभ्याम् | सखिभ्यः |

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Abl. | सख्युः | सखिभ्याम् | सखिभ्यः |
| Gen. | सख्युः | सख्योः | सखीनाम् |
| Loc. | सख्यौ | सख्योः | सखिषु |

Note that सखि at the end of a तत्पुरुष compound becomes सख as, रामस्य सखा=रामसखः etc., and it should be declined like राम.

129. इकारान्तः पुंलिङ्गः 'औडुलोमि' (=A member of the family of उडुलोम) शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | औडुलोमिः | औडुलोमी | उडुलोमाः |
| Voc. | हे औडुलोमे | हे औडुलोमी | हे उडुलोमाः |
| Acc. | औडुलोमिम् | औडुलोमी | उडुलोमान् |
| Ins. | औडुलोमिना | औडुलोमिभ्याम् | उडुलोमैः |
| Dat. | औडुलोमये | औडुलोमिभ्याम् | उडुलोमेभ्यः |
| Abl. | औडुलोमेः | औडुलोमिभ्याम् | उडुलोमेभ्यः |
| Gen. | औडुलोमेः | औडुलोम्योः | उडुलोमानाम् |
| Loc. | औडुलोमौ | औडुलोम्योः | उडुलोमेषु |

130. ईकारान्तः पुंलिङ्गः 'प्रधी' (=One who deeply thinks) शब्दः. (प्रकृष्टं ध्यायति)

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | प्रधीः | प्रध्यौ | प्रध्यः |
| Voc. | हे प्रधीः | हे प्रध्यौ | हे प्रध्यः |
| Acc. | प्रध्यम् | प्रध्यौ | प्रध्यः |
| Ins. | प्रध्या | प्रधीभ्यां | प्रधीभिः |
| Dat. | प्रध्ये | प्रधीभ्यां | प्रधीभ्यः |

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Abl. | प्रध्य: | प्रधीभ्यां | प्रधीभ्य: |
| Gen. | प्रध्य: | प्रध्यो: | प्रध्याम् |
| Loc. | प्रध्यि | प्रध्यो: | प्रधीषु |

131. ईकारान्तः पुंल्लिङ्गः 'सुधी' (=Wise) शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | सुधी: | सुधियौ | सुधियः |
| Voc. | हे सुधी: | हे सुधियौ | हे सुधियः |
| Acc. | सुधियम् | सुधियौ | सुधियः |
| Ins. | सुधिया | सुधीभ्यां | सुधीभि: |
| Dat. | सुधिये | सुधीभ्यां | सुधीभ्य: |
| Abl. | सुधियः | सुधीभ्यां | सुधीभ्य: |
| Gen. | सुधियः | सुधियो: | सुधियाम् |
| Loc. | सुधियि | सुधियो: | सुधीषु |

Similarly decline शुद्धधी, सुश्री etc.

132. ईकारान्तः पुंल्लिङ्गः 'सेनानी' (=A General) शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | सेनानी: | सेनान्यौ | सेनान्य: |
| Voc. | हे सेनानी: | हे सेनान्यौ | सेनान्य: |
| Acc. | सेनान्यम् | सेनान्यौ | सेनान्य: |
| Ins. | सेनान्या | सेनानीभ्यां | सेनानीभि: |
| Dat. | सेनान्ये | सेनानीभ्यां | सेनानीभ्य: |
| Abl. | सेनान्य: | सेनानीभ्यां | सेनानीभ्य: |

[*N. B.*—The words ऐक्ष्वाक, कौरव्य etc. are declined like राम in the Singulars and Duals. but in the plurals they must be declined like गुरु *i. e.* इक्ष्वाकवः, कुरवः etc.]

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Gen. | सेनान्यः | सेनान्योः | सेनान्याम् |
| Loc. | सेनान्याम् | सेनान्योः | सेनानीषु |

Similarly decline ग्रामणी etc.

133. ईकारान्तः पुंलिङ्गः 'प्रधी' (=Highly Intelligent) शब्दः.
(प्रकृष्टा धीः यस्य सः)

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | प्रधीः | प्रध्यौ | प्रध्यः |
| Voc. | हे प्रधि | हे प्रध्यौ | हे प्रध्यः |
| Acc. | प्रध्यम् | प्रध्यौ | प्रध्यः |
| Ins. | प्रध्या | प्रधीभ्यां | प्रधीभिः |
| Dat. | प्रध्यै | प्रधीभ्यां | प्रधीभ्यः |
| Abl. | प्रध्याः | प्रधीभ्यां | प्रधीभ्यः |
| Gen. | प्रध्याः | प्रध्योः | प्रधीनाम् |
| Loc. | प्रध्याम् | प्रध्योः | प्रधीषु |

134. ईकारान्तः पुल्लिङ्गः 'वातप्रमी' (=A kind of deer without horn.) शब्दः

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | वातप्रमीः | वातप्रम्यौ | वातप्रम्यः |
| Voc. | हे वातप्रमीः | हे वातप्रम्यौ | हे वातप्रम्यः |
| Acc. | वातप्रमीम् | वातप्रम्यौ | वातप्रमीन् |
| Ins. | वातप्रम्या | वातप्रमीभ्यां | वातप्रमीभिः |
| Dat. | वातप्रम्ये | वातप्रमीभ्यां | वातप्रमीभ्यः |
| Abl. | वातप्रम्यः | वातप्रमीभ्यां | वातप्रमीभ्यः |
| Gen. | वातप्रम्यः | वातप्रम्योः | वातप्रम्याम् |
| Loc. | वातप्रमी | वातप्रम्योः | वातप्रमीषु |

Similarly decline ययी, पपी etc.

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

135. उकारान्तः पुल्लिङ्गः क्रोष्टु (= A jackal) शब्दः

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | क्रोष्टा | क्रोष्टारौ | क्रोष्टारः |
| Voc. | हे क्रोष्टो | हे क्रोष्टारौ | हे क्रोष्टारः |
| Acc. | क्रोष्टारम् | क्रोष्टारौ | क्रोष्टून् |
| Ins. | क्रोष्ट्रा, क्रोष्टुना | क्रोष्टुभ्यां | क्रोष्टुभिः |
| Dat. | क्रोष्ट्रे, क्रोष्टवे | क्रोष्टुभ्यां | क्रोष्टुभ्यः |
| Abl. | क्रोष्टुः, क्रोष्टोः | क्रोष्टुभ्यां | क्रोष्टुभ्यः |
| Gen. | क्रोष्टुः क्रोष्टोः | क्रोष्ट्रोः, क्रोष्ट्वोः | क्रोष्टूनाम् |
| Loc. | क्रोष्टरि, क्रोष्टौ | क्रोष्ट्रोः, क्रोष्ट्वोः | क्रोष्टुषु |

136. ऊकारान्तः पुल्लिङ्गः 'वर्षाभू' (=A frog) शब्दः

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | वर्षाभूः | वर्षाभ्वौ | वर्षाभ्वः |
| Voc. | हे वर्षाभूः | हे वर्षाभ्वौ | हे वर्षाभ्वः |
| Acc. | वर्षाभ्वम् | वर्षाभ्वौ | वर्षाभ्वः |
| Ins. | वर्षाभ्वा | वर्षाभूभ्यां | वर्षाभूभिः |
| Dat. | बर्षाभ्वे | वर्षाभूभ्यां | वर्षाभूभ्यः |
| Abl. | बर्षाभ्वः | वर्षाभूभ्यां | वर्षाभूभ्यः |
| Gen. | वर्षाभ्वः | वर्षाभ्वोः | वर्षाभ्वाम् |
| Loc. | वर्षाभ्वि | वर्षाभ्वोः | वर्षाभूषु |

Similarly decline पुनर्भू. खलपू etc.

137. ऊकारान्तः पुल्लिङ्गः 'स्वभू' (=Self-existing) शब्दः

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | स्वभूः | स्वभुवौ | स्वभुवः |
| Voc. | हे स्वभूः | हे स्वभुवौ | हे स्वभुवः |
| Acc. | स्वभुवम् | स्वभुवौ | स्वभुवः |

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Ins. | स्वभुवा | स्वभूभ्यां | स्वभूभिः |
| Dat. | स्वभुवे | स्वभूभ्यां | स्वभूभ्यः |
| Abl. | स्वभुवः | स्वभूभ्यां | स्वभूभ्यः |
| Gen. | स्वभुवः | स्वभुवोः | स्वभुवाम् |
| Loc. | स्वभुवि | स्वभुवोः | स्वभूषु |

Similarly decline स्वयम्भू, कटप्रू कारभू etc.

138. ऊकारान्तः पुल्लिङ्गः 'हूहू' (=A Gandharva) शब्दः

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | हूहू | हूहौ | हूहः |
| Voc. | हे हूहू | हे हूहौ | हे हूहः |
| Acc. | हूहूम् | हूहौ | हुहून् |
| Ins. | हूहा | हूहूभ्यां | हूहूभिः |
| Dat. | हूहे | हूहूभ्यां | हूहूभ्यः |
| Abl. | हूहः | हूहूभ्यां | हूहूभ्यः |
| Gen. | हूहः | हूहोः | हूहाम् |
| Loc. | हूहि | हूहोः | हूहूषु |

---

*Class* 2. **Feminine words ending in vowels.**

## अजन्तस्त्रीलिङ्गप्रकरणम्

139. आकारान्तः स्त्रीलिङ्गः 'जरा' (Old age) शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | जरा | जरे, जरसौ | जराः, जरसः |
| Voc. | हे जरे | हे जरे, हे जरसौ | हे जराः हे जरसः |
| Acc. | जराम्, जरसम् | जरे, जरसौ | जराः, जरसः |

SGDF
Sri Gangeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Ins. | जरया, जरसा | जराभ्यां | जराभिः |
| Dat. | जरायै, जरसे, | जराभ्या | जराभ्यः |
| Abl. | जरायाः जरसः, | जराभ्यां | जराभ्यः |
| Gen. | जरायाः, जरसः | जरयोः, जरसोः | जराणां, जरसाम् |
| Loc. | जरायां, जरसि | जरयोः, जरसोः | जरासु |

140. आकारान्त स्त्रीलिङ्गः 'नासिका' (nosc) शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | नासिका | नासिके | नासिकाः |
| Voc. | हे नासिके | हे नासिके | हे नासिकाः |
| Acc. | नासिकाम् | नासिके | नासिकाः नसः |
| Ins. | नासिकया, नसा | नासिकाभ्यां, नोभ्यां | नासिकाभिः, नोभिः |
| Dat. | नासिकायै, नसे | नासिकाभ्यां, नोभ्यां | नासिकाभ्यः, नोभ्यः |
| Abl. | नासिकायाः, नसः | नासिकाभ्यां, नोभ्यां | नासिकाभ्यः, नोभ्यः |
| Gen. | नासिकायाः, नसः | नासिकयोः, नसोः | नासिकानां, नसां |
| Loc. | नासिकायां, नसि | नासिकयोः, नसोः | नासिकासु, नस्सु |

141. आकारान्तः स्त्रीलिङ्गः 'निशा' (=Night)' शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | निशा | निशे | निशाः |
| Voc. | हे निशे | हे निशे | हे निशाः |
| Acc. | निशाम् | निशे | निशाः, निशः |
| Ins. | निशया, निशा | निशाभ्यां, निड्भ्यां | निशाभिः, निड्भिः |
| Dat. | निशायै, निशे | निशाभ्यां, निड्भ्यां | निशाभ्यः, निड्भ्यः |
| Abl. | निशायाः, निशः | निशाभ्यां निड्भ्यां | निशाभ्यः, निड्भ्यः |
| Gen. | निशायाः, निशः | निशयोः, निशोः | निशानाम्, निशाम् |
| Loc. | निशायाम्, निशि | निशयोः, निशोः | निशासु, निट्सु, निट्त्सु |

SGDF
Sri Gangeshwari Digital Foundation

142. आकारान्त स्त्रीलिङ्गः 'पृतना' (=An army) शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | पृतना | पृतने | पृतनाः |
| Voc. | हे पृतने | हे पृतने | हे पृतनाः |
| Acc. | पृतनाम् | पृतने | पृतनः, पृतः |
| Ins. | पृतनया, पृता | पृतनाभ्यां, पृद्भ्यां | पृतनाभिः पृद्भिः |
| Dat. | पृतनायै, पृते | पृतनाभ्यां, पृद्भ्यां | पृतनाभ्यः, पृद्भ्यः |
| Abl. | पृतनायाः, पृतः | पृतनाभ्यां, पृद्भ्यां | पृतनाभ्यः, पृद्भ्यः |
| Gen. | पृतनायाः, पृतः | पृतनयोः, पृतोः | पृतनानाम्, पृताम् |
| Loc. | पृतनायां, पृति | पृतनयोः, पृतोः | पृतनासु, पृत्सु |

143. ईकारान्तः स्त्रीलिङ्गः 'स्त्री' (=A woman) शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | स्त्री | स्त्रियौ | स्त्रियः |
| Voc. | हे स्त्रि | हे स्त्रियौ | हे स्त्रियः |
| Acc. | स्त्रियम्, स्त्रीं | स्त्रियौ | स्त्रियः, स्त्रीः |
| Ins. | स्त्रिया | स्त्रीभ्याम् | स्त्रीभिः |
| Dat. | स्त्रियै | स्त्रीभ्याम् | स्त्रीभ्यः |
| Abl. | स्त्रियाः | स्त्रीभ्याम् | स्त्रीभ्यः |
| Gen. | स्त्रियाः | स्त्रियोः | स्त्रीणाम् |
| Loc. | स्त्रियाम् | स्त्रियोः | स्त्रीषु |

144. ईकारान्तः स्त्रीलिङ्गः 'श्री' (=Goddess Lakshmi) शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | श्रीः | श्रियौ | श्रियः |
| Voc. | हे श्रीः | हे श्रियौ | हे श्रियः |
| Acc. | श्रियम् | श्रियौ | श्रियः |
| Ins. | श्रिया | श्रीभ्याम् | श्रीभिः |

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Dat. | श्रियै, श्रिये | श्रीभ्याम् | श्रीभ्यः |
| Abl. | श्रियाः, श्रियः | श्रीभ्याम् | श्रीभ्यः |
| Gen. | श्रियाः, श्रियः | श्रियोः | श्रियाम् , श्रीणाम् |
| Loc. | श्रियाम् , श्रियि | श्रियोः | श्रीषु |

Similarly decline धी, सुधी (f.) शुद्धधी (f.), ह्री, भी etc.

145. ऊकारान्तः स्त्रीलिङ्गः 'भू' (=Earth) शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | भूः | भुवौ | भुवः |
| Voc. | हे भूः | हे भुवौ | हे भुवः |
| Acc. | भुवम् | भुवौ | भुवः |
| Ins. | भुवा | भूभ्याम् | भूभिः |
| Dat. | भुवै, भुवे | भूभ्याम् | भूभ्यः |
| Abl. | भुवाः, भुवः | भूभ्याम् | भूभ्यः |
| Gen. | भुवाः, भुवः | भुवोः | भुवाम् , भूनाम् |
| Loc. | भुवाम् , भुवि | भुवोः | भूषु |

Similarly decline भ्रू , सुभ्रू , सू etc.

146. ऊकारान्तः स्त्रीलिङ्गः 'वर्षाभू' शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | *वर्षाभूः | वर्षाभ्वौ | वर्षाभ्वः |
| Voc. | हे वर्षाभु | हे वर्षाभ्वौ | हे वर्षाभ्वः |
| Acc. | वर्षाभ्वम् | वर्षाभ्वौ | वर्षाभ्वः |
| Ins. | वर्षाभ्वा | वर्षाभूभ्याम् | वर्षाभूभिः |

---

* वर्षाभू=A medicinal plant otherwise known as पुनर्नवा.

*N. B.*—Note that masculine वर्षाभू meaning "A frog" is different from this. See Sabda 136.

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Dat. | वर्षाभ्वे | वर्षाभूभ्याम् | वर्षाभूभ्यः |
| Abl. | वर्षाभ्वः | वर्षाभूभ्याम् | वर्षाभूभ्यः |
| Gen. | वर्षाभ्वः | वर्षाभ्वोः | वर्षाभूणाम् |
| Loc. | वर्षाभ्वाम् | वर्षाभ्वोः | वर्षाभूषु |

Similarly decline पुनर्भू, वीरसू, प्रसू etc.

---

## *Class 3.* Neuter words ending in Vowels.

## अजन्तनपुंसकलिङ्गप्रकरणम्

147. अकारान्तः नपुंसकलिङ्गः 'अजर' (=That which has no old age) शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | अजरम् | अजरे, अजरसी | अजराणि, अजरांसि |
| Voc. | हे अजर | हे अजरे, हे अजरसी | हे अजराणि, हे अजरांसि |
| Acc. | अजरं, अजरसं | अजरे, अजरसी | अजराणि, अजरांसि |
| Ins. | अजरेण, अजरसा | अजराभ्यम् | अजरैः |
| Dat. | अजराय, अजरसे | अजराभ्याम् | अजरेभ्यः |
| Abl. | अजरात्, अजरसः | अजराभ्याम् | अजरेभ्यः |
| Gen. | अजरस्य, अजरसः | अजरयोः, अजरसोः | अजराणां, अजरसां |
| Loc. | अजरे, अजरसि | अजरयोः, अजरसोः | अजरेषु |

Similarly decline विजर etc.

148. इकारान्तः नपुंसकलिङ्गः 'दधि' (=Curd) शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | दधि | दधिनी | दधीनि |
| Voc. | हे दधे, हे दधि | हे दधिनी | हे दधीनि |
| Acc. | दधि | दधिनी | दधीनि |
| Ins. | दध्ना | दधिभ्याम् | दधिभिः |

5

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Dat. | दध्ने | दधिभ्याम् | दधिभ्यः |
| Abl. | दध्नः | दधिभ्याम् | दधिभ्यः |
| Gen. | दध्नः | दध्नोः | दध्नाम् |
| Loc. | दध्नि, दधनि | दध्नोः | दधिषु |

Similarly decline अस्थि, अक्षि and सक्थि.

149. इकारान्तः नपुंसकलिङ्गः 'प्रधि' That which is intelligent) शब्दः.

Note :—Decline this like "वारि" (20 Above) with the following *additional* forms:—

Ins. Sing. प्रध्या Dat. Sing. प्रध्ये Abl. Sing. प्रध्यः
Gen. Sing. प्रध्यः (Dual) प्रध्योः (Plural) प्रध्याम्
Loc. Snig. प्रध्यि (Dual) प्रध्योः

Similarly decline वेगि, जलपि, उन्नि etc.

150. इकारान्तः नपुंसकलिङ्गः 'सुधि' (=That which has a good intellect) शब्दः.

Note:—Decline this like "वारि" (20 Above) with the following *additional* forms:—

Instrumental Singular सुधिया
Dative Singular सुधिये Ablative Singular सुधियः
Genitive (Sing.) सुधियः (Dual) सुधियोः (Plural) सुधियाम्
Locative (Sing.) सुधियि (Dual) सुधियोः

151. उकारान्तः नपुंसकलिङ्गः 'सानु' (=Level land on a mountain) शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | सानु | सानुनी | सानूनि |
| Voc. | हे सानो, हे सानु | हे सानुनी | हे सानूनि |

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Acc. | सानु | सानुनी | सानूनि, स्नूनि |
| Ins. | सानुना, स्नुना | सानुभ्यां, स्नुभ्याम् | सानुभिः, स्नुभिः |
| Dat. | सानुने, स्नुने | सानुभ्यां, स्नुभ्याम् | सानुभ्यः, स्नुभ्यः |
| Abl. | सानुनः, स्नुनः | सानुभ्यां, स्नुभ्याम् | सानुभ्यः, स्नुभ्यः |
| Gen. | सानुनः, स्नुनः | सानुनोः, स्नुनोः | सानूनाम्, स्नूनाम् |
| Loc. | सानुनि, स्नुनि | सानुनोः, स्नुनोः | सानुषु, स्नुषु |

[ Note that this word is declined in Masculine too in the same sense ].

---

## *Class 4.* Masculine words ending consonants

## अथ हलन्तपुंलिङ्गप्रकरणम्

152. चकारान्तः पुल्लिङ्गः * 'प्राञ्च्' (Eastern) शब्दः·

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | प्राङ् | प्राञ्चौ | प्राञ्चः |
| Voc. | हे प्राङ् | हे प्राञ्चौ | हे प्राञ्चः |
| Acc. | प्राञ्चम् | प्राञ्चौ | प्राचः |
| Ins. | प्राचा | प्राग्भ्यां | प्राग्भिः |
| Dat. | प्राचे | प्राग्भ्यां | प्राग्भ्यः |
| Abl. | प्राचः | प्राग्भ्यां | प्राग्भ्यः |
| Gen. | प्राचः | प्राचोः | प्राचाम् |
| Loc. | प्राचि | प्राचोः | प्राक्षु |

Similarly decline पराञ्च्, अवाञ्च्, उपाञ्च्, etc.

* The words प्राञ्च्, प्रत्यञ्च्, उदञ्च्, अन्वञ्च्, तिर्यञ्च् become प्राची, प्रतीची, उदीची, अनूची, तिरश्ची in feminine.

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

153. चकारान्तः पुल्लिङ्गः 'प्रत्यञ्च्' (=Western) शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | प्रत्यङ् | प्रत्यञ्चौ | प्रत्यञ्चः |
| Voc. | हे प्रत्यङ् | हे प्रत्यञ्चौ | हे प्रत्यञ्चः |
| Acc. | प्रत्यञ्चम् | प्रत्यञ्चौ | प्रतीचः |
| Ins. | प्रतीचा | प्रत्यग्भ्यां | प्रत्यग्भिः |
| Dat. | प्रतीचे | प्रत्यग्भ्यां | प्रत्यग्भ्यः |
| Abl. | प्रतीचः | प्रत्यग्भ्यां | प्रत्यग्भ्यः |
| Gen. | प्रतीचः | प्रतीचोः | प्रतीचाम् |
| Loc. | प्रतीचि | प्रतीचोः | प्रत्यक्षु |

Similarly decline न्यञ्च्, सध्रयञ्च्, अदद्रयञ्च्, देवद्रयञ्च्, विष्वद्रयञ्च्, सर्वद्रयञ्च् etc.

[Note :—The root अञ्च् has two meanings; (1) motion (2) worship. The Sabdas 152 to 156 are the forms of those words derived from अञ्च् in its first meaning and 156 to 158 in its secondory meaning.]

154. चकारान्तः पुल्लिङ्गः 'उदञ्च्' (=Northern) शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | उदङ् | उदञ्चौ | उदञ्चः |
| Voc. | हे उदङ् | हे उदञ्चौ | उदञ्चः |
| Acc. | उदञ्चम् | उदञ्चौ | उदीचः |
| Ins. | उदीचा | उदग्भ्यां | उदग्भिः |

Rest decline like प्रत्यञ्च्

155. चकारान्तः पुल्लिङ्गः 'अन्वञ्च्' (=Person following) शब्दः

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | अन्वङ् | अन्वञ्चौ | अन्वञ्चः |
| Voc. | हे अन्वङ् | हे अन्वञ्चौ | हे अन्वञ्चः |

SGDF
Sri Gangeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Acc. | अन्वञ्चम् | अन्वञ्चौ | अनूचः |
| Ins. | अनूचा | अन्वग्भ्याम् | अन्वग्भिः |
| Dat. | अनूचे | अन्वग्भ्याम् | अन्वग्भ्यः |
| Abl. | अनूचः | अन्वग्भ्याम् | अन्वग्भ्यः |
| Gen. | अनूचः | अनूचोः | अनूचाम् |
| Loc. | अनूचि | अनूचोः | अन्वक्षु |

Similarly decline स्वञ्च्, मृद्वञ्च् etc.

156. चकारान्तः पुल्लिङ्गः 'तिर्यञ्च्' (=One that goes away) शब्दः

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | तिर्यङ् | तिर्यञ्चौ | तिर्यञ्चः |
| Voc. | हे तिर्यङ् | हे तिर्यञ्चौ | हे तिर्यञ्चः |
| Acc. | तिर्यञ्चम् | तिर्यञ्चौ | तिरश्चः |
| Ins. | तिरश्चा | तिर्यग्भ्याम् | तिर्यग्भिः |
| Dat. | तिरश्चे | तिर्यग्भ्याम् | तिर्यग्भ्यः |
| Abl. | तिरश्चः | तिर्यग्भ्याम् | तिर्यग्भ्यः |
| Gen. | तिरश्चः | तिरश्चोः | तिरश्चाम् |
| Loc. | तिरश्चि | तिरश्चोः | तिर्यक्षु |

156. चकारान्तः पुल्लिङ्गः 'प्राञ्च्' (One who worships intensely) शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | प्राङ् | प्राञ्चौ | प्राञ्चः |
| Voc. | हे प्राङ् | हे प्राञ्चौ | हे प्राञ्चः |
| Acc. | प्राञ्चम् | प्राञ्चौ | प्राञ्चः |
| Ins. | प्राञ्चा | प्राङ्भ्याम् | प्राङ्भिः |
| Dat. | प्राञ्चे | प्राङ्भ्याम् | प्राङ्भ्यः |

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Abl. | प्राञ्चः | प्राङ्भ्याम् | प्राङ्भ्यः |
| Gen. | प्राञ्चः | प्राञ्चोः | प्राञ्चाम् |
| Loc. | प्राञ्चि | प्राञ्चोः | प्राङ्षु, प्राङ्क्षु, प्राङ्क्षु |

157. चकारान्तः पुल्लिङ्गः 'सम्यञ्च्' (=One who worships well) शब्दः

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | सम्यङ् | सम्यञ्चौ | सम्यञ्चः |
| Voc. | हे सम्यङ् | हे सम्यञ्चौ | हे सम्यञ्चः |
| Acc. | सम्यञ्चम् | सम्यञ्चौ | सम्यञ्चः |
| Ins. | सम्यञ्चा | सम्यङ्भ्याम् | सम्यङ्भिः |
| Dat. | सम्यञ्चे | सम्यङ्भ्याम् | सम्यङ्भ्यः |
| Abl. | सम्यञ्चः | सम्यङ्भ्याम् | सम्यङ्भ्यः |
| Gen. | सम्यञ्चः | सम्यञ्चोः | सम्यञ्चाम् |
| Loc. | सम्यञ्चि | सम्यञ्चोः | सम्यङ्क्षु |

Similarly decline प्रत्यञ्च्, सध्र्यञ्च्, देवद्र्यञ्च्, सर्वद्र्यञ्च्, विष्वद्र्यञ्च् etc., when the root अञ्च् has the senst of wor ship.

158. चकारान्तः पुल्लिङ्गः 'अन्वञ्च्' (A person who worships after) शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | अन्वङ् | अन्वञ्चौ | अन्वञ्चः |
| Voc. | हे अन्वङ् | हे अन्वञ्चौ | हे अन्वञ्चः |
| Acc. | अन्वञ्चम् | अन्वञ्चौ | अन्वञ्चः |
| Ins. | अन्वञ्चा | अन्वङ्भ्याम् | अन्वङ्भिः |

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Dat. | अन्वञ्चे | अन्वङ्भ्याम् | अन्वङ्भ्यः |
| Abl. | अन्वञ्चः | अन्वङ्भ्याम् | अन्वङ्भ्यः |
| Gen. | अन्वञ्चः | अन्वञ्चोः | अन्वञ्चाम् |
| Loc. | अन्वञ्चि | अन्वञ्चोः | अन्वङ्षु, अन्वङ्क्षु |

Similarly decllne स्वञ्च् मृद्रुञ्च् *etc.

159. जकारान्तः पुल्लिङ्गः 'विभ्राज्' (=A person who shines brilliantly) शब्दः·

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | विभ्राक्, विभ्राट् | विभ्राजौ | विभ्राजः |
| Voc. | हे विभ्राक् / हे विभ्राट् | हे विभ्राजौ | हे विभ्राजः |
| Acc. | विभ्राजम् | विभ्राजौ | विभ्राजः |
| Ins. | विभ्राजा | विभ्राड्भ्याम् / विभ्राग्भ्याम् | विभ्राड्भिः / विभ्राग्भिः |
| Dat. | विभ्राजे | विभ्राड्भ्याम् / विभ्राग्भ्याम् | विभ्राड्भ्यः / विभ्राग्भ्यः |
| Abl. | विभ्राजः | विभ्राड्भ्याम् / विभ्राग्भ्याम् | विभ्राड्भ्यः / विभ्राग्भ्यः |
| Gen. | विभ्राजः | विभ्राजोः | विभ्राजाम् |
| Loc. | विभ्राजि | विभ्राजोः | विभ्राट्सु / विभ्राक्षु |

---

*When the root अञ्च् indicates the meaning 'worship' Similarly decline [154] उदञ्च् under the same circumstances.

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

160. जकारान्तः पुल्लिङ्गः 'युज्' (=A sage or a person in meditation) शब्दः.*

Decline like भिषज् (26) above.

161. जकारान्तः पुल्लिङ्गः 'युञ्ज्' (=A person united with) शब्दः

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | युङ् | युञ्जौ | युञ्जः |
| Voc. | हे युङ् | हे युञ्जौ | हे युञ्जः |
| Acc. | युञ्जम् | युञ्जम् | युजः |
| Ins. | युजा | युग्भ्याम् | युग्भिः |
| Dat. | युजे | युग्भ्याम् | युग्भ्यः |
| Abl. | युजः | युग्भ्याम् | युग्भ्यः |
| Gen. | युजः | युजोः | युजाम् |
| Loc. | युजि | युजोः | युक्षु |

162. जकारान्तः पुल्लिङ्गः 'विश्वराज्' (Universal Suzerain) शब्दः

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | विश्वराट्, विश्वराड् | विश्वराजौ | विश्वराजः |
| Voc. | हे विश्वराट्<br>हे विश्वराड् | हे विश्वराजौ | हे विश्वराजः |
| Acc. | विश्वराजम् | विश्वराजौ | विश्वराजः |
| Ins. | विश्वराजा | विश्वराड्भ्याम् | विश्वराड्भिः |
| Dat. | विश्वराजे | विश्वराड्भ्याम् | विश्वराड्भ्यः |

---

* [Note–There are two युज्s. युज् IV Conj. Atm. means to meditate upon. Sabda 160 is derived from this. युज् VII Conj. means to unite. Sabda 161 is derived from this. But when युज् (in this latter sense too) forms a compound सुयुज् etc. it is declined like भिषज्]

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Abl. | विश्वराजः | विश्वराड्भ्याम् | विश्वराड्भ्यः |
| Gen. | विश्वराजः | विश्वराजोः | विश्वराजाम् |
| Loc. | विश्वराजि | विश्वराजोः | { विश्वराट्त्सु<br>विश्वराट्सु |

163. थकारान्तः पुल्लिङ्गः 'अग्निमथ्'
(=A twig that churns fire *i. e.*, the Arani) शब्दः.
(Also a medicinal plant)

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | अग्निमत्, अग्निमद् | अग्निमथौ | अग्निमथः |
| Voc. | हे अग्निमत्<br>हे अग्निमद् | हे अग्निमथौ | अग्निमथः |
| Acc. | अग्निमथम् | अग्निमथौ | अग्निमथः |
| Ins. | अग्निमथा | अग्निमद्भ्यां | अग्निमद्भिः |
| Det. | अग्निमथे | अग्निमद्भ्यां | अग्निमद्भ्यः |
| Abl. | अग्निमथः | अग्निमद्भ्यां | अग्निमद्भ्यः |
| Gen. | अग्निमथः | अग्निमथोः | अग्निमथाम् |
| Loc. | अग्निमथि | अग्निमथोः | अग्निमत्सु |

164. दकारान्तः पुल्लिङ्गः 'सुपाद्'
(=A person having handsome feet) शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | सुपात्, सुपाद् | सुपादौ | सुपादः |
| Voc. | हे सुपात्, हे सुपाद् | हे सुपादौ | हे सुपदः |
| Acc. | सुपादम् | सुपादौ | सुपादः |
| Ins. | सुपदा | सुपाद्भ्याम् | सुपाद्भिः |
| Dat. | सुपदे | सुपाद्भ्याम् | सुपाद्भ्यः |

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Abl. | सुपदः | सुपाद्भ्याम् | सुपाद्भ्यः |
| Gen. | सुपदः | सुपदोः | सुपदाम् |
| Loc. | सुपदि | सुपदोः | सुपात्सु |

Similarly decline द्विपाद्, चतुष्पाद्, व्याघ्रपाद् etc.

165. धकारान्तः पुंलिङ्गः 'बुध्' (=A person who knows) शब्दः

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | भुत्, भुद् | बुधौ | बुधः |
| Voc. | हे भुत्, हे भुद् | हे बुधौ | हे बुधः |
| Acc. | बुधम् | बुधौ | बुधः |
| Ins. | बुधा | भुद्भ्याम् | भुद्भिः |
| Dat. | बुधे | भुद्भ्याम् | भुद्भ्यः |
| Abl. | बुधः | भुद्भ्याम् | भुद्भ्यः |
| Gen. | बुधः | बुधोः | बुधाम् |
| Loc. | बुधि | बुधोः | भुत्सु |

Similarly decline बुध् in the feminine too.

166. नकारान्तः पुंलिङ्गः 'पूषन्' (=Sun) शब्दः

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | पूषा | पूषणौ | पूषणः |
| Voc. | हे पूषन् | हे पूषणौ | हे पूषणः |
| Acc. | पूषणम् | पूषणौ | पूष्णः |
| Ins. | पूष्णा | पूषभ्याम् | पूषभिः |
| Dat. | पूष्णे | पूषभ्याम् | पूषभ्यः |
| Abl. | पूष्णः | पूषभ्याम् | पूषभ्यः |
| Gen. | पूष्णः | पूष्णोः | पूष्णाम् |
| Loc. | पूष्णि, पूषणि | पूष्णोः | पूषसु |

Similarly decline अर्यमन्.

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

167. नकारान्तः पुंलिङ्गः 'वृत्रहन्' (Indra, *i.e.*, slayer of वृत्र) शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | वृत्रहा | वृत्रहणौ | वृत्रहणः |
| Voc. | हे वृत्रहन् | हे वृत्रहणौ | हे वृत्रहणः |
| Acc. | वृत्रहणम् | वृत्रहणौ | वृत्रघ्नः |
| Ins. | वृत्रघ्ना | वृत्रहभ्याम् | वृत्रहभिः |
| Dat. | वृत्रघ्ने | वृत्रहभ्याम् | वृत्रहभ्यः |
| Abl. | वृत्रघ्नः | वृत्रहभ्याम् | वृत्रहभ्यः |
| Gen. | वृत्रघ्नः | वृत्रघ्नोः | वृत्रघ्नाम् |
| Loc. | वृत्रघ्नि, वृत्रहणि | वृत्रघ्नोः | वृत्रहसु |

Similarly decline भ्रुणहन् , ब्रह्महन् etc.

168. नकारान्तः पुंलिङ्गः ' अर्वन्' (=Horse) शब्दः

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | अर्वा | अर्वन्तौ | अर्वन्तः |
| Voc. | हे अर्वन् | हे अर्वन्तौ | हे अर्वन्तः |
| Acc. | अर्वन्तम् | अर्वन्तौ | अर्वतः |
| Ins. | अर्वता | अर्वद्भ्याम | अर्वद्भिः |
| Dat. | अवते | अर्वद्भ्याम् | अर्वद्भ्यः |
| Abl. | अर्वतः | अर्वद्भ्याम् | अर्वद्भ्यः |
| Gen. | अर्वतः | अर्वतोः | अर्वताम् |
| Loc. | अर्वति | अर्वतोः | अर्वत्सु |

[Note :—The word अनर्वन् should be declined like (Sabda 35) *i. e.*, अनर्वा, अनर्वाणौ अनर्वाणः etc.]

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

169. नकारान्तः पुंलिङ्गः 'ऋभुक्षिन्' (=Indra) शब्दः-

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | ऋभुक्षाः | ऋभुक्षाणौ | ऋभुक्षाणः |
| Voc. | हे ऋभुक्षाः | हे ऋभुक्षाणौ | हे ऋभुक्षाणः |
| Acc. | ऋभुक्षाणम् | ऋभुक्षाणौ | ऋभुक्षः |
| Ins. | ऋभुक्षा | ऋभुक्षिभ्याम् | ऋभुक्षिभिः |
| Dat. | ऋभुक्षे | ऋभुक्षिभ्याम् | ऋभुक्षिभ्यः |
| Abl. | ऋभुक्षः | ऋभुक्षिभ्याम् | ऋभुक्षिभ्यः |
| Gen. | ऋभुक्षः | ऋभुक्षोः | ऋभुक्षाम् |
| Loc. | ऋभुक्षि | ऋभुक्षोः | ऋभुक्षिषु |

170. सकारान्तः पुंलिङ्गः 'दोस्' (=Hand) शब्दः.

(See Sabda 47 and note the alternate forms)

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | दोः | दोषौ | दोषः |
| Voc. | हे दोः | हे दोषौ | हे दोषः |
| Acc. | दोषम् | दोषौ | दोषः, दोष्णः |
| Ins. | दोषा, दोष्णा | दोर्भ्यां, दोषभ्यां | दोर्भिः, दोषभिः |
| Dat. | दोषे, दोष्णे | दोर्भ्यां, दोषभ्यां | दोर्भ्यः, दोषभ्यः |
| Abl. | दोषः, दोष्णः | दोर्भ्यां, दोषभ्यां | दोर्भ्यः, दोषभ्यः |
| Gen. | दोषः, दोष्णः | दोषोः, दोष्णोः | दोषां, दोष्णां |
| Loc. | दोषि, दोष्णि, दोषणि | दोषोः, दोष्णोः | दोष्षु, दोषसु |

171. सकारान्तः पुंलिङ्गः 'उशनस्'

(=Sukra, the preist of Demons) शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | उशना | उशनसौ | उशनसः |
| Voc. | हे उशनः, हे उशनन्<br>हे उशन | हे उशनसौ | हे उशनसः |

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Acc. | उशनसम् | उशनसौ | उशनसः |
| Ins. | उशनसा | उशनोभ्याम् | उशनोभिः |
| Dat. | उशनसे | उशनोभ्याम् | उशनोभ्यः |
| Abl. | उशनसः | उशनोभ्याम् | उशनोभ्यः |
| Gen. | उशनसः | उशनसोः | उशनसाम् |
| Loc. | उशनसि | उशनसोः | उशनस्सु |

172. सकारान्तः पुल्लिङ्गः 'अनेहस्' (=Time) शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | अनेहा | अनेहसौ | अनेहसः |
| Voc. | हे अनेहः | हे अनेहसौ | हे अनेहसः |
| Acc. | अनेहसम् | अनेहसौ | अनेहसः |

173. हकारान्तः पुल्लिङ्गः 'दुह्' (=One who milks शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | धुक्, धुग् | दुहौ | दुहः |
| Voc. | हे धुक्, हे धुग् | हे दुहौ | हे दुहः |
| Acc. | दुहम् | दुहौ | दुहः |
| Ins. | दुहा | धुग्भ्याम् | धुग्भिः |
| Dat. | दुहे | धुग्भ्याम् | धुग्भ्यः |
| Abi. | दुहः | धुग्भ्याम् | धुग्भ्यः |
| Gen. | दुहः | दुहोः | दुहाम् |
| Lsc. | दुहि | दुहोः | धुक्षु |

Similarly decline, दह्, दिह् etc.

174. हकारान्तः पुल्लिङ्गः 'द्रुह्' (=(an enemy) शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom | ध्रुक्, ध्रुग्<br>ध्रुट्, ध्रुड् | द्रुहौ | द्रुहः |

SGDF
Sri Gurgeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Voc. | हे ध्रुक्, हे ध्रुग्<br>हे ध्रुट्, हे ध्रुड् | हे द्रुहौ | हे द्रुहः |
| Acc. | द्रुहम् | द्रुहौ | द्रुहः |
| Ins. | द्रुहा | ध्रुग्भ्यां, ध्रुड्भ्यां | ध्रुग्भिः, ध्रुड्भिः |
| Dat. | द्रुहे | ध्रुग्भ्यां, ध्रुड्भ्यां | ध्रुग्भ्यः ध्रुड्भ्यः |
| Abl. | द्रुहः | ध्रुग्भ्यां, ध्रुड्भ्यां | ध्रुग्भ्यः, ध्रुड्भ्यः |
| Gen. | द्रुहः | द्रुहोः | द्रुहाम् |
| Loc. | द्रुहि | द्रुहोः | ध्रुक्षु, ध्रुट्सु |

Similarly decline मुह्, स्नुह्, and स्निह्.

175. हकारान्तः पुल्लिङ्गः 'हव्यवाह्' Fire शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | हव्यवाट्, हव्यवाड् | हव्यवाहौ | हव्यवाहः |
| Voc. | हे हव्यवाट्<br>हे हव्यवाड् | हे हव्यवाहौ | हे हव्यवाहः |
| Acc. | हव्यबाहम् | हव्यवाहौ | हव्यौहः |
| Ins. | हव्यौहा | हव्यवाड्भ्यां | हव्यवाड्भिः |
| Dat. | हव्यवाहे | हव्यवाड्भ्याम् | हव्यवाड्भ्यः |
| Abl. | हव्यौहः | हव्यवाड्भ्याम् | हव्यवाड्भ्यः |
| Gen. | हव्यौहः | हव्यौहोः | हव्यौहाम् |
| Loc. | हव्यौहि | हंव्यौहोः | हव्यवाट्सु |

176. हकारान्तः पुल्लिङ्गः 'तुरासाह्' (=Indra) शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom | तुराषाट्, तुराषाड् | तुरासाहौ | तुरासाहः |
| Voc. | हे तुराषाट्<br>हे तुराषाड् | हे तुरासाहौ | हे तुरासाहः |

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Acc. | तुरासाहम् | तुरासाहौ | तुरासाहः |
| Ins. | तुरासाहा | तुराषाड्भ्याम् | तुराषाड्भिः |
| Dat. | तुरासाहे | तुराषाड्भ्याम् | तुराषाड्भ्यः |
| Abl. | तुरासाहः | तुराषाड्भ्याम् | तुराषाड्भ्यः |
| Gen. | तुरासाहः | तुरासाहोः | तुरासाहाम् |
| Loc. | तुरासाहि | तुरासाहोः | तुराषाट्सु |

**177.** हकारान्तः पुल्लिङ्गः 'अनडुह्' (=An ox) शब्दः-

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | अनड्वान् | अनड्वाहौ | अनड्वाहः |
| Voc. | हे अनड्वन् | हे अनड्वाहौ | हे अनड्वाहः |
| Acc. | अनड्वाहम् | अनड्वाहौ | अनडुहः |
| Ins. | अनडुहा | अनडुद्भ्याम् | अनडुद्भिः |
| Dat. | अनडुहे | अनडुद्भ्याम् | अनडुद्भ्यः |
| Abl. | अनडुहः | अनडुद्भ्याम | अनडुद्भ्यः |
| Gen. | अनडुहः | अनडुहोः | अनडुहाम् |
| Loc. | अनडुहि | अनडुहोः | अनडुत्सु |

---

## *Class* 5. Feminine words ending in consonants:-

## हलन्तस्त्रीलिङ्गप्रकरणम्

**178.** *रेफान्तः स्त्रीलिङ्गः 'द्वार्' (=A gate) शब्दः-

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | द्वाः | द्वारौ | द्वारः |
| Voc. | हे द्वाः | हे द्वारौ | हे द्वारः |
| Acc. | द्वारम् | द्वारौ | द्वारः |

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Ins. | द्वारा | द्वार्भ्याम् | द्वार्भिः |
| Dat. | द्वारे | द्वार्भ्याम् | द्वार्भ्यः |
| Abl. | द्वारः | द्वार्भ्याम् | द्वार्भ्यः |
| Gen. | द्वारः | द्वारोः | द्वाराम् |
| Loc. | द्वारि | द्वारोः | द्वार्षु |

[*The letter र् is called रेफ]

179. षकारान्तः स्त्रीलिङ्गः 'सजुष्' (=Componion, mate) शब्द

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | सजूः | सजुषौ | सजुषः |
| Voc. | हे सजूः | हे सजुषौ | हे सजुषः |
| Acc. | सजुषम् | सजुषौ | सजुषः |
| Ins. | सजुषा | सजूर्भ्याम् | सजूर्भिः |
| Dat. | सजुषे | सजूर्भ्याम् | सजूर्भ्यः |
| Abl. | सजुषः | सजूर्भ्याम् | सजूर्भ्यः |
| Gen. | सजुषः | सजुषोः | सजुषाम् |
| Loc. | सजुषि | सजुषोः | सजूःषु, सजूष्षु |

---

*Class* 6. **Neuter words ending in consonants.**

## हलन्तनपुंसकलिङ्गप्रकरणम्

**चकारान्ताः नपुंसकलिङ्गाः 'प्राञ्च्, प्रत्यञ्च्, अन्वञ्च्, उदञ्च्, तियञ्च्' शब्दः**

(*a*) when the root अञ्च् means "to go".

| | | | |
|---|---|---|---|
| 180. Nom. Voc. & Acc. | प्राक् | प्राची | प्राञ्चि |
| 181. ,, ,, ,, | प्रत्यक् | प्रतीची | प्रत्यञ्चि |
| 182. ,, ,, ,, | अन्वक् | अनूची | अन्वञ्चि |

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 183. | Nom. Voc. & Acc. | उदक् | उदीची | उदञ्चि |
| 184. | ,, ,, ,, | तिर्यक् | तिरश्ची | तिर्यञ्चि |

(*b*) When the root अञ्च् means "to worship".

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 185. | Nom Voc. & Acc. | प्राङ् | प्राञ्ची | प्राञ्चि |
| 186. | ,, ,, ,, | प्रत्यङ् | प्रत्यञ्ची | प्रत्यञ्चि |
| 187. | ,, ,, ,, | अन्वङ् | अन्वञ्ची | अन्वञ्चि |
| 188. | ,, ,, ,, | उदङ् | उदञ्ची | उदञ्चि |
| 189. | ,, ,, ,, | तिर्यङ् | तिर्यञ्ची | तिर्यञ्चि |

*N. B.*—The other forms are like of the corresponding Masculine.

190. जकारान्तः नपुंसकलिङ्गः 'असृज्' (=Blood) शब्दः

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | असृक्, असृग् | असृजी | असृञ्जि |
| Voc. | हे असृक्, हे असृग् | हे असृजी | हे असृञ्जि |
| Acc. | असृक्, असृग् | असृजी | असृञ्जि, असानि |
| Ins. | असृजा, अस्ना | असृग्भ्यां, असभ्यां | असृग्भिः, असभिः |
| Dat. | असृजे, अस्ने | असृग्भ्यां, असभ्यां | असृग्भ्यः, असभ्यः |
| Abl. | असृजः, अस्नः | असृग्भ्यां, असभ्यां | असृग्भ्यः, असभ्यः |
| Gen. | असृजः, अस्नः | असृजोः, अस्नोः | असृजां, अस्नां |
| Loc. | असृजि, अस्नि, असनि | असृजोः, अस्नोः | असृक्षु, असत्सु |

191. तकारान्तः नपुंसकलिङ्गः 'यकृत्' (=Spleen) शब्दः

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | यकृत् | यकृती | यकृन्ति |
| Voc. | हे यकृत् | हे यकृती | हे यकृन्ति |
| Acc. | यकृत् | यकृती | यकृन्ति, यकानि |



SGDF
Sri Gangeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Ins. | यक्नता, यक्ना | यकृद्भ्यां, यकभ्यां | यकृद्भिः, यकभिः |
| Dat. | यकृते, यक्ने | यकृद्भ्यां, यकभ्यां | यकृद्भ्यः यकभ्यः |
| Abl. | यकृतः, यक्नः | यकृद्भ्यां, यकभ्यां | यकृद्भ्यः, यकभ्यः |
| Gen. | यकृतः, यक्नः | यकृतोः, यक्नोः | यकृताम्, यक्नाम् |
| Loc. | यकृति, यक्नि | यकृतोः, यक्नोः | यकृत्सु, यकसु |

Similarly decline शकृत् (=Faeces).

192. पकारान्तः नपुंसलिङ्गः 'स्वप्' शब्दः.

शोभनाः आपः यस्मिन् तत् = स्वप्, (= A lake) [that has excellent water.]

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. Voc. Acc. | स्वप्, स्वब् | स्वपी | स्वम्पि, स्वाम्पि |
| Ins. | स्वपा | स्वद्भ्याम् | स्वद्भिः |
| Dat. | स्वपे | स्वद्भ्याम् | स्वद्भ्यः |
| Abl. | स्वपः | स्वद्भ्याम् | स्वद्भ्यः |
| Gen. | स्वपः | स्वपोः | स्वपाम् |
| Loc. | स्वपि | स्वपोः | स्वप्सु |

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

**Section IV**

# NUMERALS

## *Class 1.* Cardinals.

## अथ संख्याशब्दाः.

अकारान्तः 'एक' (=One) शब्दः.
( Declined only in the Singular.)

| | 193. Masculine | 194. Feminine | 195. Neuter |
|---|---|---|---|
| Nom. | एकः | एका | एकम् |
| Voc. | हे एक | हे एके | हे एक |
| Acc. | एकम् | एकाम् | एकम् |
| Ins. | एकेन | एकया | एकेन |
| Dat. | एकस्मै | एकस्यै | एकस्मै |
| Abl. | एकस्मात् | एकस्याः | एकस्मात् |
| Gen. | एकस्य | एकस्याः | एकस्य |
| Loc. | एकस्मिन् | एकस्याम् | एकस्मिन् |

इकारान्तः 'द्वि' (=Two) शब्दः (Declined only in the Dual.)

| | 196. Masculine | 197. Feminine | 198. Nuter |
|---|---|---|---|
| Nom. | द्वौ | द्वे | द्वे |
| Voc. | द्वौ | द्वे | द्वे |
| Acc. | द्वौ | द्वे | द्वे |
| Ins. | द्वाभ्यां | द्वाभ्यां | द्वाभ्यां |
| Dat. | द्वाभ्यां | द्वाभ्यां | द्वाभ्यां |

---

[* एक in the sense of "one" is declined only in the Singular. But when it means "Chief, Single, Equal etc." it is declined in the Dual and Plural too like सर्व].

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

| | | | |
|---|---|---|---|
| Abl. | द्वाभ्यां | द्वाभ्यां | द्वाभ्यां |
| Gen. | द्वयोः | द्वयोः | द्वयोः |
| Loc. | द्वयोः | द्वयोः | द्वयोः |

इकारान्तः 'त्रि' (=Three) शब्दः. (Declined only in the Plural)

| | 199. Masculine | 200. Feminine | 201. Neuter |
|---|---|---|---|
| Nom. | त्रयः | तिस्रः | त्रीणि |
| Voc. | त्रयः | तिस्रः | त्रीणि |
| Acc. | त्रीन् | तिस्रः | त्रीणि |
| Ins. | त्रिभिः | तिसृभिः | त्रिभिः |
| Dat. | त्रिभ्यः | तिसृभ्यः | त्रिभ्यः |
| Abl. | त्रिभ्यः | तिसृभ्यः | त्रिभ्यः |
| Gen. | त्रयाणाम् | तिसृणाम् | त्रयाणाम् |
| Loc. | त्रिषु | तिसृषु | त्रिषु |

रेफान्तः 'चतुर्' (=Four) शब्दः. (Declined only in the Plural)

| | 202. Masculine | 203. Feminine | 204. Neuter |
|---|---|---|---|
| Nom. | चत्वारः | चतस्रः | चत्वारि |
| Voc. | चत्वारः | चतस्रः | चत्वारि |
| Acc. | चतुरः | चतस्रः | चत्वारि |
| Ins. | चतुर्भिः | चतसृभिः | चतुर्भिः |
| Dat. | चतुर्भ्यः | चतसृभ्यः | चतुर्भ्यः |
| Abl. | चतुर्भ्यः | चतसृभ्यः | चतुर्भ्यः |
| Gen. | चतुर्णाम् | चतसृणाम् | चतुर्णाम् |
| Loc. | चतुर्षु | चतसृषु | चतुर्षु |

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

The numbers पञ्चन् to नवदशन् (5 to 19) are declined like in all genders. They are declined in the Plural lone.

205. पञ्चन् (=Five) 206. षष् (=Six) 207. सप्तन् (=Seven)

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | पञ्च | षट् | सप्त |
| Voc. | पञ्च | षट् | सप्त |
| Acc. | पञ्च | षट् | सप्त |
| Ins. | पञ्चभिः | षड्भिः | सप्तभिः |
| Dat. | पञ्चभ्यः | षड्भ्यः | सप्तभ्यः |
| Abl. | पञ्चभ्यः | षड्भ्यः | सप्तभ्यः |
| Gen. | पञ्चानाम् | षण्णाम् | सप्तानाम् |
| Loc. | पञ्चसु | षट्सु | सप्तसु |

08. अष्टन् (=Eight) 209. नवन् (=Nine) 210. =दशन्=Ten.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. Voc. Acc. | अष्ट, अष्टौ | नव | दश |
| Ins. | अष्टभिः, अष्टाभिः | नवभिः | दशभिः |
| Dat. Abl. | अष्टभ्यः,अष्टाभ्यः, | नवभ्यः | दशभ्यः |
| Gen. | अष्टानाम् | नवानाम् | दशानाम् |
| Loc. | अष्टसु, अष्टासु | नवसु | दशसु |

Decline एकादशन् (=Eleven) to नवदशन् (=Nineteen) like नवन्

[एकादशन्, द्वादशन्, त्रयोदशन्, चतुर्दशन्, पञ्चदशन्, षोडशन्, सप्तदशन्, अष्टादशन्, नवदशन्]

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

एकोनविंशति (19), विंशति (20), त्रिंशत् (30), चत्वारिंशत् (40), पञ्चाशत् (50), षष्टि (60), सप्तति (70), अशीति (80), नवति (90).

When these above numerals are used as adjectives they are declined in the Singular alone. They must however agree with the nouns they qualify, in the case *e. g.* विंशतिः ब्राह्मणाः = Twenty Brahmins ; विंशत्या ब्राह्मणैः— By twenty Brahmins etc. When they are used as nouns they have dual and plural too; ब्राह्मणानां विंशती = two twenties of Brahmins (*i. e.* forty) ब्राह्मणानां विंशतिभ्याम् = By two twenties of Brahmins *i. e.*, by forty Brahmins त्रिंशत्, चत्वारिंशत् and पञ्चाशत् are declined like मरुत् and the others like मति.

शतम् (100); सहस्रम् (1000); अयुतम् (10,000); नियुतम or लक्षम् (10,0000); प्रयुतम् (10,00,000); are Neuter. कोटि (1,00,00,000) is feminine. These are also declined like the above. शतं ब्राह्मणाः = Hundred Brahmins, शतेन ब्राह्मणैः = by hundred Brahmins. ब्राह्मणानां द्वे शते = Two Hundreds of Brahmins. सहस्रं नद्यः Thousand rivers. सहस्रात् नरेभ्यः = from thousand men etc.

211. इकारान्तः कतिशब्दः (Declined only in the plural)

कति, कति, कतिभिः, कतिभ्यः, कतिभ्यः कतीनां, कतिषु.

### *Class* 2. **Ordinals.**

212. अकारान्तः 'प्रथम' (= First) शब्दः.

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | प्रथमः | प्रथमौ | प्रथमे, प्रथमाः |
| Voc. | हे प्रथम | हे प्रथमौ | हे प्रथमे, हे प्रथमाः |

The other forms are like those of "राम."

Similarly decline चरम, अल्प, अध, कतिपय, त्रितय, चतुष्टय etc.

213. In the feminine प्रथमा is declined like रमा.

214. In the neuter प्रथमं is declined like फल.

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

215. अकारान्तः पुल्लिङ्गः 'द्वितीय' (=Second) शब्दः

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | द्वितीयः | द्वितीयौ | द्वितीयाः |
| Voc. | हे द्वितीय | हे द्वितीयौ | द्वितीयाः |
| Acc. | द्वितीयम् | द्वितीयौ | द्वितीयान् |
| Ins. | द्वितीयेन | द्वितीयाभ्याम् | द्वितीयैः |
| Dat. | द्वितीयस्मै द्वितीयाय | द्वितीयाभ्याम् | द्वितीयेभ्यः |
| Abl. | द्वितीयस्मात् / द्वितीयात् | द्वितीयाभ्याम् | द्वितीयेभ्यः |
| Gen. | द्वितीयस्य | द्वितीययोः | द्वितीयानाम् |
| Loc. | द्वितीयस्मिन्, द्वितीये | द्वितीययोः | द्वितीयेषु |

Similarly decline तृतीय.

216. आकारान्तः स्त्रीलिङ्गः 'द्वितीया' शब्दः

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | द्वितीया | द्वितीये | द्वितीयाः |
| Voc. | हे द्वितीये | हे द्वितीये | हे द्वितीयाः |
| Acc. | द्वितीयाम् | द्वितीये | द्वितीयाः |
| Ins. | द्वितीयया | द्वितीयाभ्यां | द्वितीयाभिः |
| Dat. | द्वितीयस्यै, द्वितीयायै | द्वितीयाभ्याम् | द्वितीयाभ्यः |
| Abl. | द्वितीयस्याः / द्वितीयायाः | द्वितीयाभ्याम् | द्वितीयाभ्यः |
| Gen. | द्वितीयस्याः / द्वितीयायाः | द्वितीययोः | द्वितीयानाम् |
| Loc. | द्वितीयस्याम् / द्वितीयायाम् | द्वितीययोः | द्वितीयासु |

Similarly decline "तृतीया"

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

217. अकारान्तः नपुंसकलिङ्गः द्वितीय शब्दः

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nom. | द्वितीयम् | द्वितीये | द्वितीयानि |
| Voc. | हे द्वितीय | हे द्वितीये | हे द्वितीयानि |
| Acc. | द्वितीयम् | द्वितीये | द्वितीयानि |

The other forms are like those of the Masculine.

The ordinals चतुर्थ (fourth) पञ्चम (fifth), etc. are declined in Masculine like राम, in feminine like गौरी and in Neuter like फल.

---

## ॥ तिङन्तप्रकरणम् ॥

(Conjugation of verbs)

गैर्वाण्यामेकैकस्यापि धातोः दश लकाराः सम्भवन्ति । तेषां षट् "लट्, लङ्, लुङ्, लिट्, लुट्, लृट्" "कालवाचकाः" (Tenses) अन्ये चत्वारः "लोट्, विधिलिङ्, आशीर्लिङ्, लृङ्" प्रकारबोधकाः (Moods.)

एषामेकैकस्यापि लकारस्य पृथक् त्रयः पुरुषप्रत्ययाः भवन्ति—

उत्तमपुरुषः = I Person
मध्यमपुरुषः = II Person
प्रथमपुरुषः = III Person

पुरुषाणां प्रत्येकं त्रीणि वचनानि विभक्तीनामिव भवन्ति । पूर्वोक्ताः दश लकाराः सार्वधातुक-(Conjugational Tenses and Moods) आर्धधातुक (Non-Conjugational Tenses and Moods) भेदेन द्विविधाः.

लट्, लङ् लोट्, लिङ् (विधिलिङ्) सार्वधातुकाः । अन्ये षट् आर्धधातुकाः । सार्वधातुकेषु धातूनां पुरुषप्रत्ययानां च मध्ये विकरणप्रत्ययाः (Conjugation Signs) संयोज्यन्ते । संस्कृते दश गणाननुसृत्य विकरणप्रत्यया विभिद्यन्ते ॥ तथाहि—

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

| गणः | Conj. | विकरणप्रत्ययः | Sign. | e. g. |
| --- | --- | --- | --- | --- |
| प्रथमगणः भ्वादिः | I | शप् | अ | भवति |
| द्वितीयगणः अदादिः | II | लुक् | — | अत्ति |
| तृतीयगणः जुहोत्यादिः | III | श्लु | — | जुहोति |
| चतुर्थगणः दिवादिः | IV | श्यन् | य | दीव्यति |
| पञ्चमगणः स्वादिः | V | श्नु | नु | सुनोति |
| षष्ठगणः तुदादिः | VI | शः | अ | तुदति |
| सप्तमगणः रुधादिः | VII | श्नम् | न | रुणद्धि |
| अष्टमगणः तनादिः | VIII | उः | उ | तनोति |
| नवमगणः क्र्यादिः | IX | श्ना | ना | क्रीणाति |
| दशमगणः चुरादिः | X | णिच् | अय | चोरयति |

पुरुषप्रत्ययाः परस्मैपदम् आत्मनेपदम् इति द्वेधा भिन्ना विद्यन्ते। केभ्यश्चन धातुभ्यः परस्मैपदमेव, केभ्यश्चन आत्मनेपदमेव, केभ्यश्चन द्वयमपि पदं संभवति। धातूनां विशेषरूपाणि तिङन्तधातुमञ्जरीतोऽवगन्तव्यानि। तथापि बालानां सुखबोधाय पञ्चषाणामेव धातूनां रूपाणि विलिख्यन्ते ॥

(सार्वधातुका लकाराः—(Conjugational Tenses and Moods)

भू (भव्)=to be 1st. Conjugation (Parasmaipadi)

लट् Present tense (वर्तमानकालार्थः)

| | S. | D. | P. |
| --- | --- | --- | --- |
| I | भवामि | भवावः | भवामः |
| II | भवसि | भवथः | भवथ |
| III | भवति | भवतः | भवन्ति |

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

लङ् (Past) Imperfect tense (अनद्यतनभूतार्थकः)

| | S. | D. | P. |
|---|---|---|---|
| I | अभवम् | अभवाव | अभवाम |
| II | अभवः | अभवतं | अभवत |
| III | अभवत् | अभवतां | अभवन् |

लोट् Imperative mood (विध्याशीःप्रार्थनाथकः)

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | भवानि | भवाव | भवाम |
| II | भव, भवतात् | भवतं | भवत |
| III | भवतु, भवतात् | भवतां | भवन्तु |

विधिलिङ् Potential mood (विध्याद्यर्थकः)

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | भवेयं | भवेव | भवेम |
| II | भवेः | भवेतं | भवेत |
| III | भवेत् | भवेतां | भवेयुः |

आर्धधातुकलकाराः Non-Conjugational tenses and moods

लुट् First future (अनद्यतनभविष्वदर्थकः)

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | भवितास्मि | भवितास्वः | भवितास्मः |
| II | भवितासि | भवितास्थः | भवितास्थ |
| III | भविता | भवितारौ | भवितारः |

लृट् Second future (भविष्यदर्थकः)

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | भविष्यामि | भविष्यावः | भविष्यामः |
| II | भविष्यसि | भविष्यथः | भविष्यथ |
| III | भविष्यति | भविष्यतः | भविष्यन्ति |

SGDF
Sri Gangeshwari Digital Foundation

लृङ् Conditional mood. (भूते भाविनि क्रियाऽनिष्पत्तौ).

| | S. | D. | P. |
|---|---|---|---|
| I | अभविष्यं | अभविष्याव | अभविष्याम |
| II | अभविष्यः | अभविष्यतं | अभविष्यत |
| III | अभविष्यत् | अभविष्यतां | अभविष्यन् |

लिट् Perfect tense (भूतानद्यतनपरोक्षार्थकः)

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | बभूव | बभूविव | बभूविम |
| II | बभूविथ | बभूवथुः | बभूव |
| III | बभूव | बभूवतुः | बभूवुः |

लुङ् Aorist (भूतार्थकः).

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | अभूवं | अभूव | अभूम |
| II | अभूः | अभूतं | अभूत |
| III | अभूत् | अभूतां | अभूवन् |

आशीर्लिङ् Benedictive mood. (आशीरर्थकः)

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | भूयासं | भूयास्व | भूयास्म |
| II | भूयाः | भूयास्तं | भूयास्त |
| III | भूयात् | भूयास्तां | भूयासुः |

वन्द् 'to bow Atmanepadi. lst Conj

लट् Present T.

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | वन्दे | वन्दावहे | वन्दामहे |
| II | वन्दसे | वन्देथे | वन्दध्वे |
| III | वन्दते | वन्देते | वन्दन्ते |

SGDF
Sri Gurgeshwari Digital Foundation

## लङ् Imperfect T.

| | S. | D. | P. |
|---|---|---|---|
| I | अवन्दे | अवन्दावहि | अवन्दामहि |
| II | अवन्दथाः | अवन्देथां | अवन्दध्वम् |
| III | अवन्दत | अवन्देतां | अवन्दन्त |

## लोट् Imperative M.

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | वन्दै | वन्दावहै | वन्दामहै |
| II | वन्दस्व | वन्देथां | वन्दध्वम् |
| III | वन्दतां | वन्देतां | वन्दन्ताम् |

## विधिलिङ् Potential M.

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | वन्देय | वन्देवहि | वन्देमहि |
| II | वन्देथाः | वन्देयाथां | वन्देध्वम् |
| III | वन्देत | वन्देयातां | वन्देरन् |

## लुट् First future T.

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | वन्दिताहे | वन्दितास्वहे | वन्दितास्महे |
| II | वन्दितासे | वन्दितासाथे | वन्दिताध्वे |
| III | वन्दिता | वन्दितारौ | वन्दितारः |

## लृट् Second future T.

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | वन्दिष्ये | वन्दिष्यावहे | वन्दिष्यामहे |
| II | वन्दिष्यसे | वन्दिष्येथे | वन्दिष्यध्वे |
| III | वन्दिष्यते | वन्दिष्येते | वन्दिष्यन्ते |

SGDF
Sri Gangeshwari Digital Foundation

### ऌङ् Conditional M.

| | S. | D. | P. |
|---|---|---|---|
| I | अवन्दिष्ये | अवन्दिष्यावहि | अवन्दिष्यामहि |
| II | अवन्दिष्यथाः | अवन्दिष्येथां | अवन्दिष्यध्वं |
| III | अवन्दिष्यत | अवन्दिष्येतां | अवन्दिष्यन्त |

### लिट् Perfect T.

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | ववन्दे | ववन्दिवहे | ववन्दिमहे |
| II | ववन्दिषे | ववन्दाथे | ववन्दिध्वे |
| III | ववन्दे | ववन्दाते | ववन्दिरे |

### लुङ् Aorist T.

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | अवन्दिषि | अवन्दिष्वहि | अवन्दिष्महि |
| II | अवन्दिष्ठाः | अवन्दिषाथां | अवन्दिध्वं |
| III | अवन्दिष्ट | अवन्दिषातां | अवन्दिषत |

### आशीर्लिङ् Benedictive M.

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | वन्दिषीय | वन्दिषीवहि | वन्दिषीमहि |
| II | वन्दिषीष्ठाः | वन्दिषीयास्थां | वन्दिषीध्वं |
| III | वन्दिषीष्ट | वन्दिषीयास्तां | वन्दिषीरन् |

### अस् to be' II Conjugation Parasmaipadi.

### लट् Present T.

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | अस्मि | स्वः | स्मः |
| II | असि | स्थः | स्थ |
| III | अस्ति | स्तः | सन्ति |

SGDF
Sri Gurgeshwari Digital Foundation

लङ् Imperfect T.

| | S. | D. | P. |
|---|---|---|---|
| I | आसं | आस्व | आस्म |
| II | आसीः | आस्तं | आस्त |
| III | आसीत् | आस्तां | आसन् |

लोट् Imperative M.

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | असानि | असाव | असाम |
| II | एधि, स्तात् | स्तं | स्त |
| III | अस्तु, स्तात् | स्तां | सन्तु |

विधिलिङ् Potential M.

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | स्यां | स्याव | स्याम |
| II | स्याः | स्यातं | स्यात |
| III | स्यात् | स्यातां | स्युः |

अस्य अन्ये लकाराः भू-धातोरिव ज्ञातव्याः

दिव् 'to play' IVth Conjugation, Parasmaipadi.

लट् Present T.

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | दीव्यामि | दीव्यावः | दीव्यामः |
| II | दीव्यसि | दीव्यथः | दीव्यथ |
| III | दीव्यति | दीव्यतः | दीव्यन्ति |

लङ् Imperfect T.

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | अदीव्यम् | अदीव्याव | अदीव्याम |
| II | अदीव्यः | अदीव्यतं | अदीव्यत |
| III | अदीव्यत् | अदीव्यतां | अदीव्यन् |

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

### लोट् Imperative M.

| | S. | D. | P. |
|---|---|---|---|
| I | दीव्यानि | दीव्याव | दीव्याम |
| II | दीव्य | दीव्यतं | दीव्यत |
| III | दीव्यतु | दीव्यतां | दीव्यन्तु |

### विधिलिङ् Potential M.

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | दीव्येयं | दीव्येव | दीव्येम |
| II | दीव्येः | दीव्येतं | दीव्येत |
| III | दीव्येत | दीव्येतां | दीव्येयुः |

## आर्धधातुक लकाराः Non-Conjugational tenses and moods.

### लुट् First future (अनद्यतनभविष्यदर्थकः).

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | देवितास्मि | देवितास्वः | देवितास्मः |
| II | देवितासि | देवितास्थः | देवितास्थ |
| III | देविता | देवितारौ | देवितारः |

### लृट् Second future (भविष्यदर्थकः).

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | देविष्यामि | देविष्यावः | देविष्यामः |
| II | देविष्यसि | देविष्यथः | देविष्यथ |
| III | देविष्यति | देविष्यतः | देविष्यन्ति |

### लृङ् Conditional M.

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | अदेविष्यम् | अदेविष्याव | अदेविष्याम |
| II | अदेविष्यः | अदेविष्यतम् | अदेविष्यत |
| III | अदेविष्यत् | अदेविष्यताम् | अदेविष्यन् |

SGDF
Sri Gurgeshwari Digital Foundation

### लिट् Perfect T. (भूतानद्यतनपरोक्षार्थकः).

| | S. | D. | P. |
|---|---|---|---|
| I | दिदेव | दिदिविव | दिदिविम |
| II | दिदेविथ | दिदिवथुः | दिदिव |
| III | दिदेव | दिदिवतुः | दिदिवुः |

### लुङ् Aorist T. (भूतार्थकः)

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | अदेविषम् | अदेविष्व | अदेविष्म |
| II | अदेवीः | अदेविष्टम् | अदेविष्ट |
| III | अदेवीत् | अदेविष्टाम् | अदेविषुः |

### आशीर्लिङ् Benedictive M. (आशीर्लिङ्)

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | दीव्यासम् | दीव्यास्व | दीव्यास्म |
| II | दीव्याः | दीव्यास्तम् | दीव्यास्त |
| III | दीव्यात् | दीव्यास्ताम् | दीव्यासुः |

इष् to wish' VIth Conjugation Parasmaipadi.

### लट् Present T.

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | इच्छामि | इच्छावः | इच्छामः |
| II | इच्छसि | इच्छथः | इच्छथ |
| III | इच्छति | इच्छतः | इच्छन्ति |

### लङ् Imperfect T.

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | ऐच्छम् | ऐच्छाव | ऐच्छाम |
| II | ऐच्छः | ऐच्छतं | ऐच्छत |
| III | ऐच्छत् | ऐच्छतां | ऐच्छन् |

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

लोट् Imperative M.

| | S. | D. | P. |
|---|---|---|---|
| I | इच्छानि | इच्छाव | इच्छाम |
| II | इच्छ, इच्छतात् | इच्छतं | इच्छत |
| III | इच्छतु, इच्छतात् | इच्छतां | इच्छन्तु |

विधिलिङ् Potential M.

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | इच्छेयं | इच्छेव | इच्छेम |
| II | इच्छेः | इच्छेतं | इच्छेत |
| III | इच्छेत् | इच्छेतां | इच्छेयुः |

आर्धधातुकलकाराः Non-Conjugational tenses and moods.

लुट् First future (अनद्यतनभविष्यदर्थकः)

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | एषितास्मि | एषितास्वः | एषितास्मः |
| II | एषितासि | एषितास्थः | एषितास्थ |
| III | एषिता | एषितारौ | एषितारः |

लृट् Second future (भविष्यदर्थकः)

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | एषिष्यामि | एषिष्यावः | एषिष्यामः |
| II | एषिष्यसि | एषिष्यथः | एषिष्यथ |
| III | एषिष्यति | एषिष्यतः | एषिष्यन्ति |

लृङ् Conditional M. (भूते भाविनि क्रियाऽनिष्पत्तौ).

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | ऐषिष्यम् | ऐषिष्याव | ऐषिष्याम |
| II | ऐषिष्यः | ऐषिष्यतं | ऐषिष्यत |
| III | ऐषिष्यत | ऐषिष्यतां | ऐषिष्यन् |

7

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

लिट् Perfect T. (भूतानाद्यतनपरोक्षार्थकः).

| | S. | D. | P. |
|---|---|---|---|
| I | इयेष | ईषिव | ईषिम |
| II | इयेषिथ | ईषथुः | ईष |
| III | इयेष | ईषतुः | ईषुः |

लुङ् Aorist (भूतार्थकः).

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | ऐषिषम् | ऐषिष्व | ऐषिष्म |
| II | ऐषीः | ऐषिष्टम् | ऐषिष्ट |
| III | ऐषीत् | ऐषिष्टाम् | ऐषिषुः |

आशीर्लिङ् Benedictive M. (आशीरर्थकः).

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | इष्यासम् | इष्यास्व | इष्यास्म |
| II | इष्याः | इष्यास्तम् | इष्यास्त |
| III | इष्यात् | इष्यास्ताम् | इष्यासुः |

## VIII CONJUGATION

कृ (कर्) 'to do' लट् Present T. Ubhayapadi.

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | करोमि | कुर्वः | कुर्मः |
| II | करोषि | कुरुथः | कुरुथ |
| III | करोति | कुरुतः | कुर्वन्ति |

लङ् Imperfect T.

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | अकरवम् | अकुर्व | अकुर्म |
| II | अकरोः | अकुरुतं | अकुरुत |
| III | अकरोत् | अकुरुतां | अकुर्वन् |

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

### लोट् Imperative M.

| | S. | D. | P. |
|---|---|---|---|
| I | करवाणि | करवाव | करवाम |
| II | कुरु, कुरुतात् | कुरुतं | कुरुत |
| III | करोतु, कुरुतात् | कुरुतां | कुर्वन्तु |

### विधिलिङ् Potential M.

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | कुर्याम् | कुर्याव | कुर्याम |
| II | कुर्याः | कुर्यातं | कुर्यात |
| III | कुर्यात् | कुर्यातां | कुर्युः |

### लुट् First future T.

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | कर्तास्मि | कर्तास्वः | कर्तास्मः |
| II | कर्तासि | कर्तास्थः | कर्तास्थ |
| III | कर्ता | कर्तारौ | कर्तारः |

### लृट् Second future T.

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | करिष्यामि | करिष्यावः | करिष्यामः |
| II | करिष्यसि | करिष्यथः | करिष्यथ |
| III | करिष्यति | करिष्यतः | करिष्यन्ति |

### लृङ् Conditional M.

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | अकरिष्यम् | अकरिष्याव | अकरिष्याम |
| II | अकरिष्यः | अकरिष्यतं | अकरिष्यत |
| III | अकरिष्यत् | अकरिष्यतां | अकरिष्यन् |

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

### लिट् Perfect T.

| | S. | D. | P. |
|---|---|---|---|
| 1 | चकार, चकर | चकृव | चकृम |
| II | चकर्थ | चक्रथुः | चक्र |
| III | चकार | चक्रतुः | चक्रुः |

### लुङ् Aorist T.

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | अकार्षम् | अकार्ष्व | अकार्ष्म |
| II | अकार्षीः | अकार्ष्टम् | अकार्ष्ट |
| III | अकार्षीत् | अकार्ष्टाम् | अकार्षुः |

### आशीर्लिङ् Benedictive M.

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | क्रियासं | क्रियास्व | क्रियास्म |
| II | क्रियाः | क्रियास्तं | क्रियास्त |
| III | क्रियात् | क्रियास्तां | क्रियासुः |

## आत्मनेपदरूपाणि

### लट्

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | कुर्वे | कुर्वहे | कुर्महे |
| II | कुरुषे | कुर्वाते | कुरुध्वे |
| III | कुरुते | कुर्वाते | कुर्वते |

### लङ्

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | अकुर्वि | अकुर्वहि | अकुर्महि |
| II | अकुरुथाः | अकुर्वाथां | अकुरुध्वं |
| III | अकुरुत | अकुर्वातां | अकुर्वत |

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

### लोट्

| | S. | D. | P. |
|---|---|---|---|
| I | करवै | करवावहै | करवामहै |
| II | कुरुष्व | कुर्वाथां | कुरुध्वम् |
| III | कुरुतां | कुर्वातां | कुर्वतां |

### विधिलिङ्

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | कुर्वीय | कुर्वीवहि | कुर्वीमहि |
| II | कुर्वीथाः | कुर्वीयाथां | कुर्वीध्वं |
| III | कुर्वीत | कुर्वीयातां | कुर्वीरन् |

### लुट्

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | कर्ताहे | कर्तास्वहे | कर्तास्महे |
| II | कर्तासे | कर्तासाथे | कर्ताध्वे |
| III | कर्ता | कर्तारौ | कर्तारः |

### लृट्

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | करिष्ये | करिष्यावहे | करिष्यामहे |
| II | करिष्यसे | करिष्येथे | करिष्यध्वे |
| III | करिष्यते | करिष्येते | करिष्यन्ते |

### लृङ्

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | अकरिष्ये | अकरिष्यावहि | अकरिष्यामहि |
| II | अकरिष्यथाः | अकरिष्येथां | अकरिष्यध्वम् |
| III | अकरिष्यत | अकरिष्येतां | अकरिष्यन्त |

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

लिट्

| | S. | D. | P. |
|---|---|---|---|
| I | चक्रे | चकृवहे | चकृमहे |
| II | चकृषे | चक्राथे | चकृढ्वे |
| III | चक्रे | चक्राते | चक्रिरे |

लुङ्

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | अकृषि | अकृष्वहि | अकृष्महि |
| II | अकृथाः | अकृषाथां | अकृढ्वम् |
| III | अकृत | अकृषाथां | अकृषत |

आशीर्लिङ्

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | कृषीय | कृषीवहि | कृषीमहि |
| II | कृषीष्ठाः | कृषीयास्थां | कृषीध्वं |
| III | कृषीष्ट | कृषीयास्तां | कृषीरन् |

पूज् ' to worship ' X Conjugation

सार्वधातुकलकाराः Conjugational T. and M.

लट् Present T. (वर्तमानकालार्थकः).

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | पूजयामि | पूजयावः | पूजयागः |
| II | पूजयसि | पूजयथः | पूँजयथ |
| III | पूजयति | पूजयतः | पूजयन्ति |

लङ् Imperfect T. (अनद्यतनभूतार्थकः).

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | अपूजयम् | अपूजयाव | अपूजयाम |
| II | अपूजयः | अपूजयतम् | अपूजयत |
| III | अपूजयत् | अपूजयताम् | अपूजयन् |

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

लोट् Imperative M. (विध्याशीःप्रार्थनार्थकः).

| | S. | D. | P. |
|---|---|---|---|
| I | पूजयानि | पूजयाव | पूजयाम |
| II | पूजय | पूजयतम् | पूजयत |
| III | पूजयतु | पूजयताम् | पूजयन्तु |

विधिलिङ् Potential M. (विध्याद्यर्थकः).

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | पूजयेयम् | पूजयेव | पूजयेम |
| II | पूजयेः | पूजयेतम् | पूजयेत |
| III | पूजयेत् | पूजयेताम् | पूजयेयुः |

आर्धधातुकलकाराः Non-Conjugational T and M.

लुट् First future. (अनद्यतनभविष्यदर्थकः).

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | पूजयितास्मि | पूजयितास्वः | पूजयितास्मः |
| II | पूजयितासि | पूजयितास्थः | पूजयितास्थ |
| III | पूजयिता | पूजयितारौ | पूजयितारः |

लृट् Second future (भविष्यदर्थकः).

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | पूजयिष्यामि | पूजयिंष्यावः | पूजयिष्यामः |
| II | पूजयिष्यसि | पूजयिष्यथः | पूजयिष्यथ |
| III | पूजयिष्यति | पूजयिष्यतः | पूजयिष्यन्ति |

लृङ् Conditional M. (भूते भाविनि क्रियाऽनिष्पत्तौ).

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | अपूजयिष्यम् | अपूजयिष्याव | अपूजयिष्याम |
| II | अपूजयिष्यः | अपूजयिष्यतम् | अपूजयिष्यत |
| III | अपूजयिष्यत् | अपूजयिष्यताम् | अपूजयिष्यन् |

CGDF Sri Gargeshwari Digital Foundation

लिट् Perfect T. (भूतानद्यतनपरोक्षार्थकः).

| | S. | D. | P. |
|---|---|---|---|
| I | पूजयामास | पूजयामासिव | पूजयामासिम |
| II | पूजयामासिथ | पूजयामासथुः | पूजयामास |
| III | पूजयामास | पूजयामासतुः | पूजयामासुः |

लुङ् Aorist (भूतार्थकः).

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | अपूपुजम् | अपूपुजाव | अपूपुजाम |
| II | अपूपुजः | अपूपुजतम् | अपूपुजत |
| III | अपूपुजत् | अपूपुजताम् | अपूपुजन् |

आशीर्लिङ् Benedictive M. (आशीरर्थकः).

| | | | |
|---|---|---|---|
| I | पूज्यासम् | पूज्यास्व | पूज्यास्म |
| II | पूज्याः | पूज्यास्तम् | पूज्यास्त |
| III | पूज्यात् | पूज्यास्ताम् | पूज्यासुः |

---

## ॥ अव्ययप्रकरणम् ॥

येषां शब्दानां लिङ्गविभक्तिवचननिमित्तको रूपभेदो नास्ति तानि अव्ययानि इत्युच्यन्ते ।

"सदृशं त्रिषु लिङ्गेषु सर्वासु च विभक्तिषु ।
वचनेषु च सर्वेषु यन्न व्येति तदव्ययम् ॥"

तथापि विशेषणानि भवन्ति—उच्चैः वृक्षः, उच्चैः वृक्षस्य, उच्चैः लताः इत्यादि।

1. क्रियाविशेषणानि—अव्ययान्येव ।

2. सुबन्तप्रतिरूपकाणि—नमः, चिरेण, चिराय, चिरात्, स्वस्ति इत्यादि ।

SGDF
Sri Gurgeshwari Digital Foundation

3. तिङन्तप्रतिरूपकाणि—अस्ति, अस्मि (अहं), आह (उवाच) इत्यादि ।
4. अव्ययीभावसमासा अप्यव्ययान्येव—यथाशक्ति, अधिहरि, उपनगरम् इत्यादि ।
5. *क्त्वाप्रत्ययान्तानि—श्रुत्वा, कृत्वा, गत्वा इत्यादि ।
6. ल्यबन्तानि—विहस्य, विहाय, निपत्य इत्यादि ।
7. तुमुन्नन्तानि—कर्तुं, गन्तुं, सोढुं, भवितुम् इत्यादि ।
8. शसन्तानि—बहुशः, अल्पशः, भूरिशः इत्यादि ।
9. तसिप्रत्ययान्तानि—आदितः, मध्यतः, पृष्ठतः, अन्ततः इत्यादि ।
10. च्विप्रत्ययान्तानि—कृष्णीकरोति, गङ्गीकरोति इत्यादिषु कृष्णी गङ्गी इत्यादि ।
11. सातिः—अग्निसात् , भस्मसात् इत्यादि ।
12. त्रा—विप्रत्रा, देवत्रा इत्यादि ।
13. डाच्—पटपटाकरोति, अत्र 'पटपटा' इत्यादि ।
14. णमुलन्तानि—यावज्जीवं, स्मारंस्मारम् इत्यादि ।
15. तसिलन्तानि—कुतः, यतः, ततः, अतः, इतः, अमुतः, सर्वतः इत्यादि ।
16. त्रल्—कुत्र, यत्र, तत्र, सर्वत्र इत्यादि । 17. ह—इह, कुह ।
18. अत्—क ।
19. दा—यदा, तदा, कदा, सर्वदा, एकदा इत्यादि ।
20. र्हिल्—एतर्हि, कर्हि, तर्हि इत्यादि ।

---

*क्त्वाप्रत्ययान्तानि—उपसर्गसंयोजने ल्यबन्तानि भवन्ति इति बोध्यम् ।

SGDF
Sri Gangadhar Digital Foundation

21. निपाताः—सद्यः, परुत्, ऐषमः, अद्य, पूर्वेद्युः, परेद्युः,उभयेद्युः, उत्तरेद्युः, अन्यतरेद्युः, इतरेद्युः इत्यादि ।
22. थाल्—यथा, तथा, सर्वथा, इत्थं, कथम् ।
23. अस्तातिः—पुरस्तात्, परस्तात्, अधस्तात्, उपरिष्टात्, उत्तरात् इत्यादि ।
24. धा—चतुर्धा, पञ्चधा, एकधा, द्विधा, द्वैधा, त्रिधा, त्रेधा, षोढा।
25. कृत्वसुच्—पञ्चकृत्वः, षट्कृत्वः, द्विः, त्रिः, चतुः, सकृत्।
26. स्वर्, अन्तर्, प्रातर्, पुनर्, उच्चैस्, नीचैस्, यावत्, आहोस्वित् इत्यादिस्वरादयोऽपि अव्ययानि भवन्ति ।

## ॥ स्त्रीप्रत्ययप्रकरणम् ॥

1. केचन शब्दाः स्वभावत एव स्त्रीलिङ्गा भवन्ति ।—यथा—गौः, वाक्, दिक्, मतिः गतिः, ग्लानिः, हानिः, माता इत्यादयः ।
2. अपरे केचन शब्दाः 'आ' 'ई' 'ऊ' इति स्त्रीप्रत्ययानां सम्मेलनेन स्त्रीलिङ्गा भवन्ति । यथा—केषांचित् अकारान्तानां शब्दानां स्त्रीत्वे विवक्षिते 'आ' इति स्त्रीप्रत्ययो भवति—यथा—अजा, एडका, बाला, वत्सा इत्यादि ।
3. केषांचित् भार्यारूपस्त्रीत्वे विवक्षिते 'ई' इति प्रत्ययो भवति । यथा—गोपस्य भार्या=गोपी । एवम्—ब्राह्मणी, शूद्री, वैश्यी इत्यादि ।
4. जातिवाचकानां यथा—गजः—गजी । आसुरी, राक्षसी, काकी, उरगी इत्यादि।

SGDF
Sri Gurgeshwari Digital Foundation

5. ऋकारनकारान्ताः शब्दाः स्त्रियाम् ईकारान्ताः भवेयुः—यथा—कर्तृ-कर्त्री, गन्तृ-गन्त्री, करिन्-करिणी, राजन्-राज्ञी इत्यादि ।

6. प्रथमवयोवाचिनोऽपि ईकारान्ताः भवन्ति—यथा—कुमार-कुमारी, किशोर-किशोरी इत्यादि ।

7a. शत्रन्ताः—यथा—अदत्-अदती, जुह्वत्-जुह्वती, जक्षत्-जक्षती, सुन्वत्-सुन्वती, रुन्धत्-रुन्धती, तन्वत्-तन्वती, क्रीणत्-क्रीणती इत्यादि ।

b. गच्छत्-गच्छन्ती, दीव्यत्-दीव्यन्ती, चोरयत्-चोरयन्ती इत्यादि ।

c. भाती-भान्ती, तुदती-तुदन्ती, भविष्यती-भविष्यन्ती इत्यादि ।

8. क्वस्वन्ताः—यथा—तस्थिवस्—तस्थुषी, सेदिवस् - सेदुषी, ऊषिवस्-ऊषुषी इत्यादि ।

9. वस्वन्ताः—यथा विद्वस्-विदुषी ।

10. मतुबन्ताः—यथा—धीमत्-धीमती, श्रीमती, धनवती, गुणवती इत्यादि ।

11. ईयसुन्नन्ताः—यथा-श्रेयस्-श्रेयसी, प्रेयसी, गरीयसी इत्यादि ।

12.

| पुं (Masc.) | स्त्री (Fem.) | पुं (Masc.) | स्त्री (Fem.) |
|---|---|---|---|
| कुरुचरः | कुरुचरी | रुद्रः | रुद्राणी |
| यादृशः | यादृशी | मृडः | मृडानी |
| नर्तकः | नर्तकी | मातुलः | मातुलानी |
| मातामहः | मातामही | आचार्यः | आचार्यानी |
| तादृशः | तादृशी | शूर्पनखः | शूर्पणखा-शूर्पनखी |

SGDF Sri Gangeshwari Digital Foundation

| पुं (Masc.) | स्त्री (Fem.) | पुं (Masc.) | स्त्री (Fem.) |
|---|---|---|---|
| इन्द्रः | इन्द्राणी | पिता, श्वशुरः, | माता, श्वश्रूः, |
| | | पुत्रः, भ्राता, | पुत्री, स्वसा |
| शर्वः | शर्वाणी | गुरुः, बहुः | गुर्वी, बह्वी |
| वरुणः | वरुणानी | युवा | युवतिः, युवती |

## ॥ समासप्रकरणम् ॥ Compounds

अन्वितानाम् पदानां एकीकरणं समासः । अयं तु द्वयोः बहूनां वा पदानां संभवति । सर्वत्र समासेषु पूर्वपदानां विभक्तयः लुप्यन्ते । यथा— 'रामस्य भार्या' इति तत्पुरुषे 'रामभार्या' इति । एवमेवान्यत्रापि ॥ 'अलुक्' समासे तु न । यथा पितुः पितामहः = पितुःपितामहः, आत्मना तृतीयः = आत्मनातृतीयः । अत्र पूर्वपदस्य विभक्तिः न लुप्यते ।

स च समासः षड्विधः (1) तत्पुरुषः (2) कर्मधारयः (3) बहुव्रीहिः (4) द्विगुः (5) द्वन्द्वः (6) अव्ययीभावश्चेति । एषु द्विगुकर्मधारयौ तत्पुरुष-प्रभेदावेव । अतः प्राधान्येन चतुर्णामेव लक्षणमुच्यते—

| | लक्षणानि | समासनाम | उदाहरणम् |
|---|---|---|---|
| 1. | उत्तरपदार्थप्रधानत्वम् | तत्पुरुषस्य | राजपुरुषः |
| 2. | उभयपदार्थप्रधानत्वम् | द्वन्द्वस्य | रामलक्ष्मणौ |
| 3. | अन्यपदार्थप्रधानत्वम् | बहुव्रीहेः | पीताम्बरः |
| 4. | पूर्वपदार्थप्रधानत्वम् | अव्ययीभावस्य | उपनगरम् |

N. B.—" इदं लक्षणं प्रायिकमेव "

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

## ॥ तत्पुरुषसमासः ॥

अयं समासः पूर्वपदस्य विभक्तिमनुसृत्य सप्तविधः संभवति। यथा—

(1) प्रथमातत्पुरुषः—उत्तरः कायस्य=उत्तरकायः। पूर्वः कायस्य= पूर्वकायः। अर्धं रात्रेः=अर्धरात्रः॥ (अत्र पूर्वपदार्थप्रधानत्वम्).

(2) द्वितीयातत्पुरुषः–दुःखम् अतीतः=दुखातीतः। कृष्णं श्रितः= कृष्णश्रितः। ग्रामं गतः ग्रामगतः।

(3) तृतीयातत्पुरुषः—धान्येन अर्थः=धान्यार्थः। मासेन पूर्वः= मासपूर्वः। शङ्कुलया खण्डः=शङ्कुलाखण्डः।

(4) चतुर्थीतत्पुरुषः—यूपाय दारु=यूपदारु। भूतेभ्यो बलिः= भूतबलिः।

(5) पञ्चमीतत्पुरुषः—चोरात् भयम् = चोरभयम्। स्वर्गात् पतितः = स्वर्गपतितः।

(6) षष्ठीतत्पुरुषः— राज्ञः पुरुषः = राजपुरुषः। देवस्य पूजकः = देवपूजकः।

(7) सप्तमीतत्पुरुषः—अक्षेषु शौण्डः=अक्षशौण्डः। लेखने पटुः= लेखनपटुः। कर्मणि कुशलः = कर्मकुशलः।

अन्येऽपि केचन तत्पुरुषस्य प्रभेदा विद्यन्ते (1) नञ्तत्पुरुषः— यथा—न ब्राह्मणः=अब्राह्मणः। न अश्वः=अनश्वः। न क्षरतीति=नक्षत्रम्।

(2) गतिसामासः = अशुक्लं शुक्लं संपद्यमानं भवति (करोति) शुक्लीभवति (शुक्लीकरोति)।

(3) प्रादिसमासः—प्रगतः आचार्यः = प्राचार्यः। निर्गतः कौशाम्ब्याः=निष्कौशाम्बिः॥

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

(4) उपपदसमासः—कुम्भं करोतीति=कुम्भकारः। पुत्रं कामयत इति=पुत्रकामः।

(5) अलुक्समासः (तत्पुरुषे बहुव्रीहौ च संभवति)—पङ्के रोहति=(1) पङ्केरुहम्। एवं वनेचरः, युधिष्ठिरः, पश्यतोहरः इत्यादि। (2) कण्ठे कालः यस्य सः=कण्ठेकालः इत्यादि।

(6) अस्वपदविग्रहः—चन्द्रेण सदृशः=चन्द्रनिभः, चन्द्रसङ्काशः।

(7) असमर्थसमासः—देवदत्तस्य गुरुकुलम्। सूर्यं न पश्यन्तीति=असूर्यंपश्या राजदाराः।

## ॥ कर्मधारयसमासः ॥

अयं तु तत्पुरुष एव अन्तर्भवति इत्युक्तम्। स चाष्टविधः। (1) विशेषणपूर्वपदः नीलं च तत् उत्पलं च=नीलोत्पलम्। कृष्णश्चासौ सर्पश्च=कृष्णसर्पः। रक्ते च ते लते च=रक्तलते।

(2) विशेष्यपूर्वपदः—गोपालश्चासौ बालश्च=गोपालबालः। छात्रश्चासौ व्यंसकश्च=छात्रव्यंसकः।

(3) विशेषणोभयपदः—भोज्यं च तत् उष्णं च=भोज्योष्णम्।

(4) उपमानपूर्वपदः—मेघ इव श्यामः—मेघश्यामः। तटिदिव गौरी=तटिद्गौरी।

(5) उपमानोत्तरपदः—पुरुषो व्याघ्र इव=पुरुषव्याघ्रः। कपिः कुञ्जर इव=कपिकुञ्जरः।

(6) संभावनापूर्वपदः—आम्र इति वृक्षः=आम्रवृक्षः। विन्ध्य इति पर्वतः=विन्ध्यपर्वतः।

SGDF
Sri Gangadhar Digital Foundation

(7) अवधारणापूर्वपदः—विद्यैव धनं=विद्याधनम्। पाद एव पद्मम्=पादपद्मम्।

(8) मध्यमपदलोपिसमासः—शाकप्रियः पार्थिवः=शाकपार्थिवः। देवपूजको ब्राह्मणः=देवब्राह्मणः।

## ॥ द्विगुसमासः, अयं च त्रिविधः ॥

(1) तद्धितार्थविषयकद्विगुः—पञ्चसु कपालेषु संस्कृतः पुरोडाशः=पञ्चकपालः पुरोडाशः। इममेव अनेकवद्भाविद्विगुरिति वदन्ति।

(2) उत्तरपदद्विगुः—पञ्च गावः धनं यस्य सः=पञ्चगवधनः।

(3) समाहारार्थद्विगुः—पञ्चानां वटानां समाहारः=पञ्चवटी। त्रिभुवनम्, चतुष्पथम् इत्यादि। एतम् एकवद्भाविद्विगुं वदन्ति।

## ॥ द्वन्द्वसमासः ॥

*अयं त्रिविधः

(1) इतरेतरयोगद्वन्द्वः—रामश्च लक्ष्मणश्च=रामलक्ष्मणौ। हरिश्च हरश्च, गुरुश्च=हरिहरगुरवः।

(2) समाहारद्वन्द्वः—पाणिश्च पादश्च तयोः समाहारः=पाणिपादम्। रथश्च गजश्च तुरगश्च एषां समाहारः=रथगजतुरगम्। पाणिश्च पादश्च मुखं च=पाणिपादमुखम्।

(3) एकशेषसमासः (सरूपैकशेषः) रामश्च रामश्च=रामौ। रामश्च रामश्च रामश्च–रामाः।

---

* एकशेषस्य समासत्वाङ्गीकारपक्षे इदम्।

SGDF
Sri Gangeshwar Digital Foundation

(विरूपैकशेषः) वक्रदण्डश्च कुटिलदण्डश्च=वक्रदण्डौ or कुटिल-दण्डौ। हंसी च हंसश्च=हंसौ। भ्राता च स्वसा च=भ्रातरौ। पुत्रश्च दुहिता च=पुत्रौ इत्यादयः ॥

## ॥ बहुव्रीहिसमासः ॥ (स च अष्टविधः)

(1) समानाधिकरणबहुव्रीहिः—आरूढो वानरो यं सः=आरुढ-वानरः। ऊढः रथः येन सः=ऊढरथः। उपहृतः पशुः यस्मै सः=उपहृत-पशुः। निष्क्रान्तः जनः यस्मात् सः=निष्क्रान्तजनः। बहवः तनयाः यस्य सः=बहुतनयः। वीराः पुरुषाः यस्मिन् सः=वीरपुरुषः। आरूढः नीलः वानरः यं सः=आरूढनीलवानरः इत्यादय ऊह्याः ॥

(2) व्यधिकरणबहुव्रीहिः—कण्ठे कालः यस्य सः=कण्ठेकालः। दण्डः पाणौ यस्य सः=दण्डपाणिः। मृगस्येव अक्षिणी यस्याः सा=मृगाक्षी। एवं पद्मनाभः चक्रपाणिः इत्याद्यूह्यम्।

(3) सङ्ख्योत्तरपदबहुव्रीहिः—दशानां समीपे ये सन्ति ते=उपदशाः। नव, एकादश इति वा अर्थः।

(4) सङ्ख्योभयपदबहुव्रीहिः—द्वौ वा त्रयो वा=द्वित्राः। पञ्च वा षट् वा=पञ्चषाः। एवम् एकद्वाः, चतुष्पञ्चाः, त्रिचतुराः इत्याद्यूह्यम्।

(5) सहपूर्वपदबहुव्रीहिः—पुत्रेण सह वर्तत इति=सपुत्रः, सहपुत्रः इत्यादि।

(6) व्यतीहारलक्षणबहुव्रीहिः—केशेषु केशेषु गृहीत्वा इदं युद्धं प्रवृत्तमिति=केशाकेशि। दण्डेन दण्डेन प्रहृत्य इदं युद्धं प्रवृत्तमिति=दण्डा-दण्डि। एवं मुष्टामुष्टि, बाहूबाहवि इत्याद्यूह्यम्।

SGDF
Sri Gurgakunda Digital Foundation

(7) दिगन्तराललक्षणबहुव्रीहिः—दक्षिणस्याश्च पूर्वस्याश्च दिशोः यदन्तरालं सा=दक्षिणपूर्वा ॥ एवम् उत्तरपूर्वा, पश्चिमोत्तरा इत्यादयः ।

(8) क्रियाविशेषणबहुव्रीहिः—निर्गतं भयं यस्मिन् कर्मणि तत्=निर्भयम् । एवं निःशङ्कम्, सादरम् इत्यादयः ।

(9) प्रादिबहुव्रीहिः—प्रकृष्टो वातः यस्मिन् सः=प्रवातः । निर्गता घृणा यस्मात् सः=निर्घृणः । एवं निर्धन इत्यादि । एवं नञ्बहुव्रीहिः—नास्ति धनं यस्य सः=अधनः इत्यादि उदाहरणम् ।

## ॥ अव्ययीभावसमासः ॥ (स च द्विविधः)

1. अव्ययपूर्वपदः—नगरस्य समीपे=उपनगरम् । अर्थमर्थं=प्रत्यर्थम् । अहनि अहनि=प्रत्यहम् । दिने दिने=प्रतिदिनम् । समुद्रं अभिव्याप्य=आसमुद्रम् । विधिम् अनतिक्रम्य=यथाविधि इत्यादि ।

2. नामपूर्वपदः—शाकस्य लेशः=शाकप्रति । सूपस्य लेशः=सूपप्रति ।

## ॥ प्रयोगप्रकरणम् ॥ (Voices)

प्रयोगस्त्रिविधः—कर्तरि प्रयोगः (Active Voice) कर्मणि प्रयोगः (Passive Voice) भावे प्रयोगः—(Impersonal).

आद्यः त्रिविधः—अकर्मकः, सकर्मकः, द्विकर्मकश्चेति ।

अकर्मको यथा—रामः विलसति । सूर्यः उदेति इत्यादि ।

सकर्मको यथा—रामः रावणम् अजयत् । शिष्यः गुरुं नमति इत्यादि ।

द्विकर्मको यथा—गोविन्दः गां ग्रामं नयति । दरिद्रः धनिकं धनं याचते । शिष्यः गुरुं संशयं पृच्छति इत्यादि । अत्र एकं कर्म प्रधानं (Direct object) अन्यत् अप्रधानम् (Indirect object).



SGDF
Sri Gangeshwari Digital Foundation

कर्मणि प्रयोगः—रामेण भूः पाल्यते। अत्र कर्तृवाचकं तृतीयाविभक्तौ कर्मवाचकं प्रथमाविभक्तौ च वर्तते। कर्मणि भावे च धातुना 'य' इत्येतत् लट् लोट् लङ् विधि लिङ्षु संयोजनीयम्।

भावे प्रयोगः—अत्र तु कर्म न भवति। अत्रापि कर्तृवाचकं तृतीयान्तमेव। यथा—रामेण भूयते। वृक्षेण पत्यते इत्यादि। कर्मणि भावे च प्रयोगे धातोः आत्मनेपदमेव भवति न परस्मैपदम्।

## ॥ तद्धितप्रकरणम् ॥

तद्धितप्रत्यया: प्रातिपदिकेभ्यः भवन्ति। यथा—दशरथस्य अपत्यं पुमान्=दाशरथिः। रघोः गोत्रापत्यं पुमान्=राघवः। दितेः अपत्यं पुमान्=दैत्यः। काषायेण रक्तम्=काषायम्। सोमः देवता अस्य=सौम्यम्। हस्तिनां समूहः=हास्तिकम्। व्याकरणम् अधीते=वैयाकरणः। उपनिषदा ज्ञायते=औपनिषदः। वने भवः=वन्यः। मातुः आगतम्=मातृकम्। रथं वहति=रथ्यः। शरणे साधुः=शरण्यः। पुरुषस्य भावः=पौरुषम्। गुरोः भावः=गुरुता–गुरुत्वम्। धर्मं चरति=धार्मिकः। धनुः प्रहरणं अस्येति=धानुष्कः। कीर्तिः अस्य अस्ति इति=कीर्तिमान्। धनम् अस्य अस्तीति धनवान्। तपः अस्य अस्तीति=तपस्वी। करः अस्य अस्तीति=करी। ईषदसमाप्तः कुमारः=कुमारकल्पः।

एवं द्वयोः बहूनाम् अतिशयनिर्धारणे तरप्तमप्प्रत्यया भवन्ति। प्रीत, प्रीततर, प्रीततम इत्यादि। एवं युवा, यवीयान्, यविष्ठ इत्यादयोऽपि ज्ञातव्याः॥

## ॥ कृदन्तप्रकरणम् ॥

कृत्प्रत्ययाः धातुभ्यो विहिताः। यथा—रमन्ते अस्मिन् इति रामः। अयं रम्धातोः निष्पन्नः शब्दः। एवं शत्रन्ताः—पश्यन्, गच्छन् इत्यादयः।

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

क्त्वान्ताः गत्वा, दृष्ट्वा इत्यादयः। ल्यबन्ताः—आगत्य, प्राप्य इत्यादयः। क्तान्ताः—पतितः, नीत इत्यादयः। क्तवत्वन्ताः—गतवान्, नीतवान् इत्यादयः। घञन्ताश्च कृदन्ता एव ॥

## ॥ णिजन्ताः ॥ (Causals)

भू—भावयति। कृ—कारयति। गम्—गमयति। पत्—पातयति। दा—दापयति। आप्—आपयति। हन्—घातयति। दृश्—दर्शयति इत्यादयः ॥

## ॥ सन्नन्तप्रकरणम् ॥ (Desideratives)

भू—भवितुम् इच्छति=बुभूषति। भवितुम् इच्छा—बुभूषा। भवितुम् इच्छुः=बुभूषुः। जेतुम् इच्छति=जिगीषति, जिगीषा, जिगीषुः। कृ—चिकीर्षति, चिकीर्षा चिकीर्षुः। आप्—ईप्सति, ईप्सा, ईप्सुः। गम्—जिगमिषति, जिगमिषा, जिगमिषुः। एवमन्यत्रापि।

## ॥ यङन्ताः ॥ (Frequentatives)

भू—अतिशयेन भवति=बोभूयते। बुध्—बोबुध्यते। दीप्—देदीप्यते। दृश्—दरीदृश्यते। जि—जेजीयते। नृत्—नरीनृत्यते इत्यादयः।

## ॥ नामधातवः ॥ (Denominatives)

काम्यच्—धनम् आत्मन इच्छति=धनकाम्यति।
वयः आत्मनः इच्छति=वयस्काम्यति इत्यादि।
क्यष्—लोहितं भवति=लोहितायति—लोहितायते।
पटपटा करोति—पटपटायति—पटपटायते।

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

क्यच्—पुत्रम् आत्मन इच्छति=पुत्रीयति ।

बलम् आत्मन इच्छति=बलीयति इत्यादि ।

क्यङ्—राम इव आचरति=रामायते ।

वासुदेव इव आचरति=वासुदेवायते इत्यादि ।

यक्—कण्डूयति—कण्डूयते इत्यादि ।

## TERMINATION SIGNS

**(First Group)**

**Parasmaipada**

Present Tense

| | S. | D. | P. |
|---|---|---|---|
| I | मि | वः | मः |
| II | सि | थः | थ |
| III | ति | तः | अन्ति |

Imperfect

| | S. | D. | P. |
|---|---|---|---|
| I | अम् | व | म |
| II | स् | तम् | त |
| III | त् | ताम् | अन् |

Imperative Mood

| | S. | D. | P. |
|---|---|---|---|
| I | आनि | आव | आम |
| II | — | तम् | त |
| III | तु | ताम् | अन्तु |

Potential

| | S. | D. | P. |
|---|---|---|---|
| I | ईयम् | ईव | ईम |
| II | ईः | ईतम् | ईत |
| III | ईत् | ईताम् | ईयुः |

**Atmanepada**

Present Tense

| | S. | D. | P. |
|---|---|---|---|
| I | इ | वहे | महे |
| II | से | इथे | ध्वे |
| III | ते | इते | अन्ते |

Imperfect

| | S. | D. | P. |
|---|---|---|---|
| I | इ | वहि | महि |
| II | थाः | इथाम् | ध्वम् |
| III | त | इताम् | अन्त |

Imperative Mood

| | S. | D. | P. |
|---|---|---|---|
| I | ऐ | आवहै | आमहै |
| II | स्व | इथाम् | ध्वम् |
| III | तां | इताम् | अन्ताम् |

Potential

| | S. | D. | P. |
|---|---|---|---|
| I | ईय | ईवहि | ईमहि |
| II | ईथाः | ईयाथाम् | ईध्वम् |
| III | ईत | ईयाताम् | ईरन् |

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

## Second group

| Parasmaipada | | | Atmanepada | | |
|---|---|---|---|---|---|
| **Present Tense** | | | **Present Tense** | | |
| S. | D. | P. | S. | D. | P. |
| | | | इ | वहे | महे |
| Same as first group. | | | से | आथे | ध्वे |
| | | | ते | आते | अते |
| **Imperfect** | | | **Imperfect** | | |
| | | | इ | वहि | महि |
| Same as first group. | | | थाः | आथाम् | ध्वम् |
| | | | त | आताम् | अत |
| **Imperative** | | | **Imperative** | | |
| आनि | आव | आम | ऐ | आवहै | आमहै |
| हि | तम् | त | स्व | आथाम् | ध्वम् |
| तु | ताम् | अन्तु | ताम् | आताम् | अताम् |
| **Potential** | | | **Potential** | | |
| याम् | याव | याम | | | |
| याः | यातम् | यात | Same as first group | | |
| यात् | याताम् | युः | | | |

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

The numbers from ONE to HUNDRED (Cardinals and Ordinals) are given below.

| | | Masc. & Neu. | Fem. |
|---|---|---|---|
| १ | एकः (One) | प्रथम (First) | प्रथमा |
| २ | द्वौ | द्वितीय | द्वितीया |
| ३ | त्रयः | तृतीय | तृतीया |
| ४ | चत्वारः | चतुर्थ, तुर्य, तुरीय | चतुर्थी, तुर्या, तुरीया |
| ५ | पञ्च | पञ्चम | पञ्चमी |
| ६ | षट् | षष्ठ | षष्ठी |
| ७ | सप्त | सप्तम | सप्तमी |
| ८ | अष्ट | अष्टम | अष्टमी |
| ९ | नव | नवम | नवमी |
| १० | दश | दशम | दशमी |
| ११ | एकादश | एकादश | एकादशी |
| १२ | द्वादश | द्वादश | द्वादशी |
| १३ | त्रयोदश | त्रयोदश | त्रयोदशी |
| १४ | चतुर्दश | चतुर्दश | चतुर्दशी |
| १५ | पञ्चदश | पञ्चदश | पञ्चदशी |
| १६ | षोडश | षोडश | षोडशी |
| १७ | सप्तदश | सप्तदश | सप्तदशी |
| १८ | अष्टादश | अष्टादश | अष्टादशी |
| १९ | नवदश, एकोनविंशतिः, | नवदश, एकोनविंश | नवदशी, एकोनविंशी |
| २० | विंशतिः | विंशः, विंशतितमः | विंशी, विंशतितमी |
| २१ | एकविंशति | एकविंश, एकविंशतितम | एकविंशी, एकविंशतितमी |

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

Drop the final ति or add तम in the following :—

२२ द्वाविंशतिः
२३ त्रयोविंशतिः
२४ चतुर्विंशतिः
२५ पञ्चविंशतिः
२६ षड्विंशतिः
२७ सप्तविंशतिः
२८ अष्टाविंशतिः
२९ नवविंशतिः—एकोनत्रिंशः,
एकोनत्रिंशत्, एकोनत्रिंशत्तमः
३० त्रिंशत्—त्रिंशः, त्रिंशत्तमः

Drop the final त् or add तम in the following :—

३१ एकत्रिंशत्
३२ द्वात्रिंशत्
३३ त्रयस्त्रिंशत्
३४ चतुस्त्रिंशत्
३५ पञ्चत्रिंशत्
३६ षट्त्रिंशत्
३७ सप्तत्रिंशत्
३८ अष्टात्रिंशत्
३९ नवत्रिंशत्–एकोनचत्वारिंशत्
४० चत्वारिंशत्
४१ एकचत्वारिंशत्
४२ द्विचत्वारिंशत्–द्वाचत्वारिंशत्
४३ त्रिचत्वारिंशत्—
त्रयश्चत्वारिंशत्
४४ चतुश्चत्वारिंशत्
४५ पञ्चचत्वारिंशत्
४६ षट्चत्वारिंशत्
४७ सप्तचत्वारिंशत्
४८ अष्टचत्वारिंशत्—
अष्टाचत्वारिंशत्
४९ नवचत्वारिंशत्
एकोनपञ्चाशत्
५० पञ्चाशत्
५१ एकपञ्चाशत्
५२ द्विपञ्चाशत्—द्वापञ्चाशत्
५३ त्रिपञ्चाशत्—त्रयःपञ्चाशत्
५४ चतुःपञ्चाशत्
५५ पञ्चपञ्चाशत्
५६ षट्पञ्चाशत्
५७ सप्तपञ्चाशत्
५८ अष्टपञ्चाशत्—अष्टापञ्चाशत्
५९ नवपञ्चाशत्—एकोनषष्टः=
एकोनषष्टिः, एकोनषष्टितमः
६० षष्टिः षष्टितमः
६१ एकषष्टिः, एकषष्टितमः
एकषष्टः

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation

Change the final ष्टि into ष्ट or add तम in the following:

६२ द्वाषष्टिः—द्विषष्टिः

६३ त्रिषष्टिः—त्रयःषष्टिः

६४ चतुःषष्टिः

६५ पञ्चषष्टिः

६६ षट्षष्टिः

६७ सप्तषष्टिः

६८ अष्टषष्टिः—अष्टाषष्टिः

६९ नवषष्टिः, एकोनसप्ततः
एकोनसप्ततिः, एकोनसप्ततितमः

७० सप्ततिः सप्ततितमः

७१ एकसप्ततिः एकसप्ततः,
एकसप्ततितमः

Change the final ति into त or add तम in the follwing:

७२ द्विसप्ततिः—द्वासप्ततिः

७३ त्रिसप्ततिः—त्रयस्सप्ततिः

७४ चतुस्सप्ततिः

७५ पञ्चसप्ततिः

७६ षट्सप्ततिः

७७ सप्तसप्ततिः

७८ अष्टसप्ततिः—अष्टासप्ततिः

७९ नवसप्ततिः—एकोनाशीतः,
एकोनाशीतिः, एकोनाशीतितमः

८० अशीतिः अशीतितमः

८१ एकाशीतिः एकाशीतः,
एकाशीतितमः

८२ द्व्यशीतिः

८३ त्र्यशीतिः

८४ चतुरशीतिः

८५ पञ्चाशीतिः

८६ षडशीतिः

८७ सप्ताशीतिः

८८ अष्टाशीतिः

८९ नवाशीतिः—एकोननवतितमः
एकोननवतिः

९० नवतिः नवतितमः

९१ एकनवतिः एकनवतः,
एकनवतितमः

९२ द्विनवतिः—द्वानवतिः

९३ त्रिनवतिः—त्रयोनवतिः

९४ चतुर्नवतिः

९५ पञ्चनवतिः

९६ षण्णवतिः

९७ सप्तनवतिः

९८ अष्टनवतिः—अष्टानवतिः

९९ नवनवतिः

१०० शतम् शततमः

१०१ एकोत्तरशतम्

तम is the suffix for all unmbers from शत to from ordinals.

॥ शुभमस्तु ॥

भारती विजयम प्रेस, मद्रास-५.

SGDF
Sri Gargeshwari Digital Foundation